राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार,16सितम्बर2020 वर्ष-3, अंक -231 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिवसेना के लिए सिरदर्द बना सोशल मीडिया! सामना में पूछा- कब समझदार होंगे लोग?

नेशनल डेस्क।

शिवसेना ने मंगलवार को दावा किया कि सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल सुनियोजित तरीके से मुंबई और महाराष्ट्र को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। शिवसेना ने 'सामना% में प्रकाशित एक संपादकीय में लिखा कि पिछले पांच से छह वर्षों से सोशल मीडिया पर 'गॉसिप% (गपशप) के नाम पर अपमानजनक टिप्पणी की जा रही है और इस पर कोई अंकुश नहीं है और न ही मर्यादा। पार्टी ने सवाल किया कि लोग कब समझदारी दिखाएंगे?संपादकीय में बिना किसी घटना का उल्लेख किये कहा गया।

सोशल मीडिया का इस्तेमाल सुनियोजित तरीके से मुंबई और महाराष्ट्र को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। यदि कोई ऐसे गॉसिप (गपशप) का जवाब देता है तो व्यक्ति (उपयोगकर्ता) की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर चिंता जतायी जाती है। इसमें उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एन वी रमण द्वारा हाल में की गई टिप्पणी का उल्लेख किया गया जिसमें उन्होंने कहा था कि इन दिनों न्यायाधीश 'मसालेदार गपशप और 'निंदात्मक सोशल मीडिया पोस्ट का सामना कर रहे हैं क्योंकि वे खुद अपना बचाव करने से बचते हैं। उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने कहा कि न्यायमूर्ति रमण ने जो कुछ कहा, वह सही ही है ।

थोड़े-बहुत फर्क के साथ आज हर क्षेत्र में यही स्थिति है। शिवसेना की यह टिप्पणी उसके कार्यकर्ताओं द्वारा एक नौसेना के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को हाल में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का एक कार्टून सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के लिए मुंबई में पीटे जाने की पृष्ठभूमि में आया है। साथ ही शिवसेना हाल में बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के साथ वाकयुद्ध में लिप्त रही है जिन्होंने एक ट्वीट करके मुंबई की तुलना पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर से की थी। शिवसेना महाराष्ट्र में राकांपा और कांग्रेस के साथ मिलकर सत्ता में है। शिवसेना ने कहा कि कुछ मशीनरी को ''झूठी आलोचना का सरकारी दायित्वों के कारण लाचार होकर सामना करना पड़ता है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सोशल मीडिया उपयोगकर्ता इसका दुरुपयोग करें।

पार्टी ने यह भी सवाल किया कि क्या सोशल मीडिया उपयोगकर्ता समझ की परिपक्वता दिखाएंगे जो न्यायमूर्ति रमण ने कही है। शिवसेना महाराष्ट्र में राकांपा और कांग्रेस के साथ मिलकर सत्ता में है।

शिवसेना ने कहा कि कुछ मशीनरी को ''झूठी आलोचना का सरकारी दायित्वों के कारण लाचार होकर सामना करना पड़ता है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सोशल मीडिया उपयोगकर्ता इसका दुरुपयोग करें। पार्टी ने यह भी सवाल किया कि क्या सोशल मीडिया उपयोगकर्ता समझ की परिपक्वता दिखाएंगे जो न्यायमूर्ति रमण ने कही है।

प्याज का एक्सपोर्ट रोकने से पवार नाराज, पीयूष गोयल से मिलकर बोले- फैसले पर फिर विचार करे केंद्र

मुंबई।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर कहा कि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के अचानक लिए गए निर्णय पर केंद्र को पुनर्विचार करना चाहिए। पवार ने ट्वीट किया कि गोयल ने उन्हें आश्वासन दिया है कि इस मुद्दे पर वाणिज्य, वित्त और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालयों के बीच यदि सहमति बनती है तो सरकार निर्णय पर पुनर्विचार करेगी। एनसीपी अध्यक्ष ने मंत्री से कहा कि निर्यात पर प्रतिबंध लगाने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्याज के भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता की भारत की छवि को नुकसान पहुंचेगा। केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ाने और कीमत पर लगाम लगाने के उद्देश्य से इसके निर्यात पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार ने गोयल से कहा कि इस निर्णय से महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक काफी नाराज हैं। पवार ने ट्वीट किया, भारत से निर्यात होने वाले प्याज की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छी मांग है और हम हमेशा से प्याज निर्यात करते रहे हैं।

लेकिन केंद्र के अचानक लिए गए निर्णय से, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की छवि को नुकसान होगा। लेकिन केंद्र के अचानक लिए गए निर्णय से, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की छवि को नुकसान होगा।

4 साल बाद जेल से रिहा होगी जयललिता की करीबी शशिकला

नेशनल डेस्क। आय से अधिक संपत्ति मामले में चार वर्षों से जेल की सजा काट रहीं तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की निकटतम सहयोगी वी के शशिकला जुर्माना भरने की शर्त पर अगले वर्ष 27 जनवरी को रिहा हो सकती हैं। जुर्माना राशि नहीं भरने पर उन्हें 27 फरवरी 2022 तक कारावास में रहना होगा। उन पर 10 करोड़ रुपये का जुर्माना है। आरटीआई अधिनियम की तहत प्राप्त हुई जानकारी में बंगलुरु केंद्रीय कारागार अधीक्षक की सूचना अधिकारी आर लता ने कहा कि जेल रिकॉर्ड के अनुसार कैदी नंबर 9234 शशिकला की रिहाई की तारीख 27 जनवरी, 2021 है, बशर्ते वह अदालत द्वारा प्रदत जुर्माने की राशि की भुगतान करें। जुर्माना नहीं भरे जाने की स्थिति में उनकी रिहाई की तारीख 27 फरवरी 2022 मुकर्रर की गई है। लता ने कहा कि अगर वह पैरोल सुविधा का इस्तेमाल करती हैं, तो रिहाई की संभावित तारीख बदल सकती है। शशिकला 15 फरवरी, 2017 से बेंगलुरु की परप्पाना अग्रहारा केंद्रीय जेल में बंद हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के फैसले से उलट उन्हें संपत्ति मामले में दोषी करार देते हुए स्थानीय अदालत के फैसले को बरकार रखा था।उन्हें इस मामले में चार वर्षों की जेल और 10 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने की सजा सुनाई थी। इस मामले में सुश्री जयललिता भी शामिल थीं। उन्हें इस मामले में चार वर्षों की जेल और 10 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने की सजा सुनाई थी। इस मामले में सुश्री जयललिता भी शामिल थीं।

संक्षिप्त समाचार

सिंधिया पर उमा भारती का बड़ा बयान, बोली- कांग्रेस की ज्योति अब हमारे पास है

ग्वालियर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने कांग्रेस छोड़ बीजेपी में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने भाजपा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया की तारीफ करते हुए कहा कि जब तक वे कांग्रेस में थे तब तक कांग्रेस की ज्योति जल रही थी। उनके बीजेपी में आने से कांग्रेस की ज्योति बुझ चुकी है। इसलिए उपचुनाव में कांग्रेस सभी सीटें हारेगी। अल्प प्रवास पर ग्वालियर पहुंची उमा भारती ने इस दौरान कांग्रेस पर जमकर निशाने साधे। सोमवार देर शाम अशोकनगर से ग्वालियर पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती लाल टिपारा स्थित गौशाला पहुंची। वहां उन्होंने गौशाला का निरीक्षण किया और हजारों की संख्या में गोवंश को देखकर उन्होंने प्रबंधन की भी तारीफ की। बाद में मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अब कुछ नहीं बचा है। 2018 में युवा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया को देखकर प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को वोट दिए थे। लेकिन उनके निकलने के बाद एक तरह से कांग्रेस की ज्योति बुझ सी गई है। उमा भारती ने कहा कि कांग्रेस की स्थिति बेहद खराब है। एक दो सीटों पर तो उसकी जमानत भी जब्त होगी। उन्होंने दिग्विजय सिंह का नाम ना लेते हुए कहा कि एक पूर्व मुख्यमंत्री है जिन्होंने पूर्व में चुनाव लड़ा था। वे जहां खड़े हो जाते हैं वही वोट कट जाते हैं। ऐसे में कांग्रेस के पास चेहरा मोहरा ही नहीं है। वहीं उन्होंने दावा किया कि सभी 27 सीटों पर बीजेपी की जीत होगी। स्क्र में अब 15 से 20 साल तक बीजेपी ही रहेगी।

एमपी उपचुनावः इस सीट पर है समधी और समधन का मुकाबला

डबरा। हर चुनाव में कुछ खास तरह की रोचक पहलू देखने को मिलते है, मध्यप्रदेश विधानसभा में होने जा रहे उपचुनाव में भी ऐसी ही कुछ रोचक और दिलचस्प तस्वीरें सामने आ रही हैं। जिसमें ग्वालियर जिले की विधानसभा 19 डबरा सीट पर रिश्ते में समधी समधन एक दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं। यहां गौर करने वाली बात यह है, कि पिछले विधानसभा चुनाव में अपनी समधन के लिए जगह जगह वोट मांगने वाले सुरेश राजे इस बार उन्हें ही चुनौती दे रहे हैं। आपको बता दें, कि डबरा विधानसभा सीट पर इस बार कांग्रेस ने सुरेश राजे को प्रत्याशी बनाया है। जबकि बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ रही अपनी समधन इमरती देवी को टक्कर देंगे। आपको बता दें, कि डबरा सीट पर यह दोनों प्रत्याशी 2013 में चुनाव लड़ चुके है, उस समय दोनों प्रत्याशियों के बीच कोई रिश्ता नहीं था। पिछले विधानसभा चुनाव यानी 2018 में सुरेश राजे ने भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होकर अपनी समधन इमरती का चुनाव प्रचार किया था, और इमरती 57 हजार वोटों से जीती थी। इससे पहले 2013 में बीजेपी ने सुरेश को टिकट दिया था अपनी समधन कांग्रेस की इमरती देवी के सामने उतारा था, लेकिन इमरती ने सुरेश राजे को 32 हजार वोट से हराया था। लिहाजा, इमरती देवी और उनके समधी सुरेश राजे के बीच विधानसभा चुनाव में दूसरी बार मुकाबला होगा। साल 2013 में इमरती कांग्रेस से उम्मीदवार थीं, वहीं बीजेपी ने उनके समधी सुरेश राजे को मैदान में उतारा था। अगर पिछले रिकॉर्ड को देखा जाए, तो समधन इमरती देवी अपने समझी सुरेश राजे पर भारी पड़ती नजर आर ही है। क्योंकि वह इस विधानसभा से तीन बार चुनाव जीत चुकी हैं।

चुनाव से पहले मोदी ने बिहार को दी सौगात, 543.28 करोड़ की योजनाओं का किया उद्घाटन

पटना।

विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को आज एक और सौगात दी है। उन्होंने बिहार में 543.28 करोड़ रुपए की सात परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत मिशन को गति देने के लिए 'आत्मनिर्भर बिहार विशेषकर देश के छोटे शहरों को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक तैयार करना बहुत जरूरी है। सुशील मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्र की नमामि गंगे और अमरुत योजना से संबंधित बिहार में 543.28 करोड़ रुपए की सात परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि शहरी गरीबों और शहर में रहने वाले मध्यम वर्ग के लोगों का जीवन आसान बनाने वाली इन नई सुविधाओं के लिए वह सभी को बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत मिशन को गति देने के लिए आत्मनिर्भर बिहार विशेषकर देश के छोटे शहरों को वर्तमान ही नहीं भविष्य की जरूरतों के मुताबिक तैयार करना बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ अमरुत मिशन के तहत बिहार के अनेक शहरों में जरूरी सुविधाओं के विकास के साथ-साथ 'ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए बेहतर माहौल तैयार करने पर बल दिया जा रहा है प्रधानमंत्री ने कहा कि शहरीकरण आज के दौर की सच्चाई है। आज पूरे विश्व में शहरी क्षेत्रों की संख्या बढ़ रही है। भारत भी इस वैश्विक बदलाव का अपवाद नहीं है, लेकिन कई दशकों से हमारी मानसिकता बन गई और हमने मान लिया था कि शहरीकरण खुद में एक बड़ी समस्या और बड़ी बाधा है लेकिन उनका सोचना कुछ अलग है। यदि शहरीकरण समस्या लगती है तो उसमें अवसर भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने तो उस दौर में ही इस सच्चाई को समझ लिया था और वह शहरीकरण के बड़े समर्थक थे। उन्होंने शहरीकरण को समस्या नहीं माना। उन्होंने तो ऐसे शहरों की कल्पना की थी, जहां गरीब से गरीब व्यक्ति को भी अवसर मिले और जीवन को बेहतर करने के रास्ते खुले।

विपक्ष ने की चीन के मुद्दे पर चर्चा की मांग, सरकार बोली- संवेदनशील मुद्दा, नही कर सकते सार्वजनिक

नई दिल्ली। सरकार ने लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के सैनिकों के बीच गतिरोध के विषय पर संसद में चर्चा कराने की विपक्ष की मांग को मंगलवार को खारिज कर दिया। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) में कांग्रेस नेताओं ने पूर्वी लद्दाख में चीन के सैनिकों के साथ भारतीय सैनिकों के गतिरोध पर चर्चा कराने की मांग उठाई थी। सूत्रों के अनुसार, सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मुद्दा संवेदनशील है और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है इसलिए इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में चीन के मुद्दे पर बयान देते हुए कहा कि लद्दाख के पूर्वी क्षेत्र में भारत शांतिपूर्ण तरीके से सीमा मुद्दे के हल के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन पड़ोसी देश द्वारा यथास्थिति में एकतरफा ढंग से बदलाव का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य होगा। उन्होंने कहा कि हम पूर्वी लद्दाख में चुनौती का सामना कर रहे हैं, हम मुद्दे का शांतिपूर्ण ढंग से हल करना चाहते हैं और हमारे सशस्त्र बल देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए डटकर खड़े हैं। रक्षा मंत्री के जवाब के बाद कांग्रेस के सदस्य भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखना चाहते थे लेकिन अध्यक्ष ओम बिरला ने नियमों का उल्लेख करते हुए उन्हें अनुमति नहीं दी। कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी और गौरव गोगोई ने कहा कि उन्हें भी बोलने का अधिकार है। हालांकि आसन से अनुमति नहीं मिलने के बाद कांग्रेस सदस्यों ने विरोध स्वरूप सदन से वाकआउट किया। लोकसभा में पूर्वी लद्दाख की स्थिति पूर्वी लद्दाख की स्थिति पर दिये गये एक बयान में रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि इस सदन को प्रस्ताव पारित करना चाहिए कि यह सदन और सारा देश सशस्त्र बलों के साथ है।

रोजगार को लेकर योगी का बड़ा बयान-सरकारी नौकरियों में भरे जायेंगे खिलाड़ियों के खाली पद

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राजकीय सेवाओं में खिलाड़ियों के लिए आरक्षित रिक्त पदों को अभियान चलाकर भरा जायेगा।योगी ने सोमवार को खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के एक प्रतिनिधिमण्डल से मुलाकात के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'खेलो इण्डिया खेलों के तहत खेल सुविधाओं और गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे है। उसी तरह उनकी सरकार भी प्रदेश में खेलों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए हर सम्भव सुविधाएं सुलभ करा रही है। प्रतिनिधिमण्डल में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित सुनील राणा, अनुज चौधरी के अलावा खिलाड़ी विनोद पहलवान, डॉ सतेन्द्र कुमार मलिक, सुनील कुमार, योगेन्द्र मलिक, डॉ योगेश कुमार, खेल प्रशिक्षक गजेन्द्र कुमार, संदीप कुमार, शिव कुमार,अमित कुमार, युधिष्ठिर और संजीव सारावत शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विभिन्न अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में

पदक विजेता खिलाड़ियों समेत प्रतिभागी खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत कर रही है। पिछले तीन वर्षों में खेल विभाग के छात्रावासों में सुविधाओं में वृद्धि की गई है। साथ ही खेल विभाग के छात्रावासों में रह रहे खिलाड़ियों के आहार भत्ते में भी वृद्धि की गई है। योगी ने कहा कि भावी पीढ़ी के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए खेल आवश्यक है। इसके मद्देनजर सूबे के हर गांव में खेल के मैदान और ओपन जिम आदि की स्थापना की कार्यवाही की जा रही है। सभी ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान के लिए ।

भूमि आरक्षित करायी जा रही है। उन्होंने प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों से कहा कि वह आने वाली पीढ़ी के लिए रोल मॉडल बने तथा अपने-अपने गांव में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कार्य करें। इस अवसर पर खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उपेन्द्र तिवारी, प्रमुख सचिव खेल कल्पना अवस्थी, सूचना निदेशक शिशिर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खाना बनाने वाले कुक के कोरोना संक्रमित होने के बाद घर में क्वारंटाइन होंगी प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कोरोना कहर के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को घर में क्वारंटाइन होने की सलाह दी गई है। दरअसल प्रियंका गांधी के घर में खाना बनाने वाला कूक कोरोना संक्रमित पाया गया है जिसके बाद 21 सितंबर तक उन्हें घर से बाहर नहीं जाने की सलाह दी गई है। हालांकि अभी तक इसकी आधारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है। आपको बतां दे कि भारत में एक दिन में कोविड-19 के 83,809 नये मामले सामने आने के बाद मंगलवार को संक्रमितों की संख्या 49 लाख के पार पहुंच गई । केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इसके अनुसार 38.59 लाख से अधिक लोग ठीक हो चुके हैं, जिससे स्वस्थ होने की दर सोमवार को 78.28 प्रतिशत हो गई। मंत्रालय द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के अनुसार देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 49,30,236 हो गई है जबकि पिछले 24 घंटे में इस महामारी से 1,054 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या 80,776 हो गई है। मंत्रालय के अनुसार, कोविड-19 से मृत्यु दर 1.64 प्रतिशत है। आंकड़े के अनुसार देश आंकड़े के अनुसार देश में अभी 9,90,061 मरीजों का इलाज चल रहा है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के मुताबिक अब तक कुल 5.83 करोड़ नमूनों की जांच हुई है जिनमें से 10.73 लाख नमूनों की जांच सोमवार को की गई।

भारत में कोरोना मृत्यु दर अन्य देशों की तुलना में कमः हर्षवर्धन

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि कोरोना महामारी के प्रकोप से निपटने के लिए सरकार ने प्रभावी कदम उठाए हैं जिसके कारण संक्रमण से मृत्यु दर अन्य देशों की तुलना में बहुत कम हैं। डॉ हर्षवर्धन ने सदन में कोविड महामारी और सरकार के कदम पर एक वक्तव्य देते हुए कहा कि सरकार इस महामारी का रणनीतिक तरीके से मुकाबला कर रही है और अभी तक सफल रही है। सरकार को कोविड-19 के नये मामले और इससे होने वाली मौतों पर रोक लगाने में सफलता मिली है। स्वास्थ्य मंत्री ने सदन को कोरोना संक्रमण के मामलों में देश की स्थिति और इससे लडने के लिए सरकार की रणनीति की जानकारी देते हुए बताया कि देश महामारी से मरने वालों की संख्या कम है और इसके प्रसार को रोकने के लिए उठाए गये कदम सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश में 13 राज्यों में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले हैं लेकिन दुनिया के अन्य देशों की तुलना में यहां स्थिति ज्यादा बेहतर है। कोरोना के कारण ज्यादातर मामले और मौतें महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, असम, केरल,पश्चिम बंगाल, बिहार, तेलंगाना, ओडिशा और गुजरात से हैं। सरकार के प्रयास से कोरोना संक्रमण पर रोक लगी है। कोरोना संक्रमितों के मामले भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा जबकि इस वायरस से 79 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। देश में 37.7 लाख कोरोना मरीज ठीक हो चुके हैं और स्वस्थ होने की दर करीब 77.77 फीसदी है। कोरोना संक्रमितों के मामले भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की चपेट में आये कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 48 लाख के पार जा चुकी है जबकि इस वायरस से 79 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। देश में 37.7 लाख कोरोना मरीज ठीक हो चुके हैं और स्वस्थ होने की दर करीब 77.77 फीसदी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

गंभीर मोड़ की सावधानी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने मानसून सत्र के पहले दिन कल संसद में देश में कोरोना की स्थिति पर काफी विस्तार से प्रकाश डाला, तो यह स्वाभाविक ही नहीं, आवश्यक भी था। इस महामारी से जूझते हुए हमें लगभग छह महीने हो गए हैं और आज भी हम जिस मोड़ पर खड़े हैं, वह कहीं से आश्वस्तकारी नहीं है, बल्कि मौजूदा हालात अतिरिक्त सावधानी की मांग कर रहे हैं। लगभग 50 लाख संक्रमण और 80 हजार मौतों के साथ भारत दुनिया में दूसरा सबसे प्रभावित देश बन चुका है और अब तो रोजाना 90 हजार से अधिक पॉजिटिव मामले सामने आने लगे हैं। स्थिति की गंभीरता का एक पहलू यह भी है कि बीस से ज्यादा लोकसभा सदस्य इस वक्त कोरोना संक्रमण की चपेट में हैं। इसलिए किसी गुलाबी तस्वीर की उम्मीद से परे यह जमीनी सच्चाई को स्वीकारने का समय है।

अब यह पूरी तरह से साफ हो चुका है कि लॉकडाउन का जितना फायदा देश उठा सकता था, उसमें हम नाकाम रहे और इसकी बहुत बड़ी कीमत हमारी अर्थव्यवस्था को भी चुकानी पड़ी है। वायरस के प्रसार क्षेत्र और संक्रमितों की जो संख्या आज हमारे सामने है, उसमें लॉकडाउन का अब बहुत मतलब भी नहीं रह गया है। इसको समझते हुए ही सरकारों ने चंद गतिविधियों को छोड़ लगभग सारे उपक्रमों से पाबंदियां हटा ली हैं। कई सारे विशेषज्ञों का मानना है कि दफ्तरों और बाजारों के खुलने से संक्रमण बढ़ रहा है। लेकिन सवाल यह है कि कोई देश आखिर कब तक खुद को बंद रख सकता है? खासकर भारत जैसे विशाल गरीब आबादी वाले मुल्क की यह मजबूरी भी है कि वह अपनी गतिविधियों को जल्द से जल्द खोले, ताकि लोग अपनी रोजमर्रा की न्यूनतम जरूरतें पूरी करने लायक कमा सकें व अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने का आधार तैयार हो। यह तो पहले दिन से साफ था कि कोई भी सरकार किसी महामारी से जन-सहयोग के बिना नहीं निपट सकती। कई देशों ने इसकी मिसाल भी हमारे सामने रखी, मगर हम कोई मिसाल न गढ़ सके।

स्वास्थ्य मंत्री ने लोकसभा को एक राहत भरी बात यह बताई है कि देश में जितने भी लोग कोविड-19 की जद में आए हैं, उनमें से 92 फीसदी मरीजों का संक्रमण गंभीर श्रेणी का नहीं था और सिर्फ1.7 प्रतिशत रोगियों को ही आईसीयू में ले जाने की जरूरत पड़ी। लेकिन यहीं पर हमें एक और आंकड़े पर गौर करना चाहिए। एक्टिव मामलों की संख्या 10 लाख की संख्या पार कर चुकी है। इसका सीधा-सा अर्थ है, अतिरिक्त स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत, हमारे कोरोना वॉरियर्स पर पहले से ज्यादा दबाव व संक्रमण के फैलने की और अधिक आशंका। निस्संदेह, पिछले छह महीनों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के स्तर पर अच्छे प्रयास हुए हैं। मगर हमें अपने देश की आबादी के आकार को भूलना नहीं चाहिए। इसलिए, जिंदगी को पटरी पर लाने के लिए लोगों को एहतियात का दामन फिलहाल थामे रहना होगा। संसद में जिस तरह से सांसदों के बैठने को लेकर खास सावधानी बरती गई, वह एक अच्छा उदाहरण है। जब तक इलाज के तौर पर कोई प्रामाणिक दवा या वैक्सीन हमारे सामने नहीं आ जाती, हमें कोरोना महामारी से जान बचाने के हर एहतियाती उपाय करने पड़ेंगे। यह अनिवार्य है, और अनिवार्यता का कोई विकल्प नहीं होता।

'मनरेगा मैन' को नमन

पूर्व केंद्रीय मंत्री और राजद के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवंश प्रसाद सिंह को बंधन पसंद नहीं था। मंत्री पद पर रहते हुए भी उन्हें इस बात का मलाल रहता था कि खुलकर बोल नहीं सकते, सवाल नहीं कर सकते, लेकिन अब वे जीवन के बंधन से ही मुक्त हो चुके हैं। दिल्ली के एम्स में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके पहले वे कोरोना से संक्रमित हो गए थे। इसे विधि का विधान ही कह सकते हैं कि मौत से कुछ पहले वे अपनी उस पार्टी से भी मुक्त हो गए थे, जिसे वे बहुत प्यार करते थे। राजद में तमाम उतार-चढ़ाव आए, लेकिन रघुवंश बाबू टस से मस नहीं हुए। कोई प्रलोभन पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा को डिगा नहीं सका, लेकिन लालू प्रसाद के जेल जाने के बाद पार्टी में विकसित हो रहे नये माहौल के साथ वे तालमेल नहीं बिठा पा रहे थे। यही कारण है कि उन्होंने मृत्यु से तीन दिन पहले पार्टी से त्यागपत्र दे दिया था। बिहार विधान सभा चुनाव से पहले यह इस्तीफा पार्टी के लिए एक झटका था। हताशा-निराशा ही सही, जाते-जाते भी रघुवंश बाबू राजनीति पर अपनी छाप छोड़ गए। उनकी यह राजनीति लोहिया की परंपरा में थी, जो पिछड़ा नेतृत्व को आगे बढ़ाने के साथ-साथ सामंतवाद के खिलाफ भी थी। जब रघुवंश बाबू की बात आएगी, तो सबसे पहले मानस पटल पर उनकी सहज-सरल, गंवई अंदाज और बेबाक बयानी वाली छवि अंकित होगी। समाजवादी धारा से जुड़े रहे रघुवंश सिंह का गांव-समाज से प्रेम किसी से छिपा नहीं था। जब वे केंद्र में संप्रग सरकार के दौरान ग्रामीण विकास मंत्री रहे, तब मनरेगा को लागू कराने में उनकी अहम भूमिका रही थी। अंतिम सांस लेते वक्त तक उनकी जुबान पर मनरेगा की चिंता रही थी। इसीलिए कुछ लोग उन्हें 'मनरेगा मैन' भी कहते थे, हालांकि उन्होंने कभी इसका श्रेय लेने की कोशिश नहीं की। निश्चय ही गांव के गरीब-गुरबा के प्रति रघुवंश बाबू के इस अप्रतिम योगदान को भुलाया नहीं जा सकता, जो आज भी कोरोना काल में अपनी उपयोगिता साबित कर रहा है। सिद्धांत की राजनीति करने वाले रघुवंश बाबू ने राजनीति को जिस प्रकार समाज सेवा का आधार बनाया थाग उसी का परिणाम था कि पार्टी की सीमाओं से परे वे विभिन्न दलों के बीच सम्मान के पात्र बन गए थे। सच्चे अर्थों में आज के परिवेश में वे एक राजनीतिक संत थे। ऐसे संत को नमन।

परिधि/राजीव मंडल

असंतुष्ट ही असंतुष्ट, मिल तो लें

कांग्रेस का हाल समझना मुश्किल है। कांग्रेस विपक्ष की पार्टी है, बिल्कुल है। विपक्ष की पार्टी में भी कोई 23 नेता अपने ही नेतृत्व के विपक्ष में थे। जी बिल्कुल थे। अब कुछ पक्ष में हो गए हैं। ओके। तो जो 23 असंतुष्ट थ, वो सारे ही अब संतुष्ट हो गए हैं क्या। नहीं, ऐसा नहीं है। जो पहले असंतुष्ट थेग बीच में वो संतुष्ट से हो गये थे। अब वो फिर से असंतुष्ट टाइप हो गये हैंग राजस्थान में सचिन पायलेट ने मुख्यमंत्री को चुनावी वादों को याद दिलाई है यानी सचिन पायलेट थोड़े थोड़े असंतुष्ट हैं अब। थोड़े समय पहले वह संतुष्ट ही थे।

अब असंतुष्ट हो गये हैं तो याद दिला रहे हैं मुख्यमंत्री को ये नहीं किया, वो नहीं किया। असंतुष्ट होने की पहचान यह होती है कि बंदे को जनता से किये गये वादे याद आ जाते हैं-ये ना हुआ, वो ना हुआ।

संतुष्ट होने के पहचान यह होती है कि बंदा कुड़मुड़ाता है कि मेरा मंत्रालय ठीक सा नहीं है। सचिन पायलट इन दिनों की जनता के मुद्दे फिर उठाने लगे हैं, वह अब सिर्फ विधायक हैं। बहुत संभव है कि दोबारा उपमुख्यमंत्री बन जाएंग तो संतुष्ट हो जाएं। पर जनता के मुद्दों का क्या होगा-इस सवाल का जवाब हा हा हा हा। जनता है, उसके मुद्दे हैं, जनता भी रहेगीग मुद्दे भी रहेंगे।

कांग्रेस में असंतुष्ट होना बहुत मुश्किल काम है। ज्यों जहाज का पंछी पुनि जहाज पर आवै टाइप मामला है, कांग्रेस में असंतुष्ट नेता कांग्रेस छोड़ता है, फिर कांग्रेस में वापस आ जाता है। कांग्रेस से बाहर नेता जाता है, तो ठौर नहीं मिलता। कांग्रेस में ऐसे नेता कम ही हैं, जो अपने बूते लोक सभा की पांच सीटें भी जिता पायें या विधानसभा की बीस सीटें भी जिता पाएं।

कांग्रेस में जीतना भी गांधी परिवार के नाम पर है और हारना भी गांधी परिवार के नाम पर है, तो काहे का संतोष और काहे का असंतोष। जो अपने बूते जिताने की हिम्मत रखते थे, निकल लिये-शरद पवारग ममता बनर्जी। अब असंतोष जो कर रहे हैं, जो कुछ दिनों बाद संतोषी हो जाएंगे। इतिहास यही बताता है।

मीडिया के घटाटोप में हमारा विवेक

बद्री नारायण

बद्री नारायण, निदेशक, जीबी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान

भारतीय गांवों में एक कहावत कही-सुनी जाती है, 'जैसा हम देखते हैं, वैसा ही हो जाते हैं।' अर्थात कहने-सुनने से ज्यादा 'देखने' का हम पर असर होता है। संगत, पंगत और दूसरों की देखा-देखी हमारा व्यवहार बनता-बिगड़ता है। 'आंखन देखी' वैसे भी हमारी सामाजिक संस्कृति में सदा से महत्वपूर्ण है।

आज हम जिस 'मीडिया परिदृश्य' में जी रहे हैं, वहां देखने-सुनने से ही हमारा मन बनता है। आज भारत के शहरी क्षेत्रों में तो घर-घर टेलीविजन मौजूद है, ग्रामीण इलाकों में भी लगभग 50 प्रतिशत घरों में टेलीविजन पहुंच गया है। याद कीजिए, पहले जहां एकमात्र 'दूरदर्शन' इन टेलीविजन सेट्स से होकर हमारे घरों में पहुंचता था, वहीं अब निजी टीवी चैनल का संजाल हमारे घरों में फैल गया है। भारत में लगभग 350 से ज्यादा टीवी चैनल इस समय देखे और दिखाए जा रहे हैं, साथ ही, 100 से ज्यादा आने के इंतजार में हैं। इनमें अनेक 24 घंटे चलने वाले न्यूज चैनल हैं, जिनके माध्यम सें हम 'ब्रेकिंग न्यूज सिंड्रोम' के आगोश में आ गए हैं।

न्यूज चैनल के नैतिक पक्ष को अगर देखें, तो ये हमें खबरों, सूचनाओं और जन-संवादों से लैस करके एक सजग व गतिमान नागरिक बनाने के माध्यम के रूप में जाने जाते हैं। ये समाज में घटनाओं को तत्काल दिखाने और उनकी व्याख्या करके राज सत्ता, समाज सत्ता व जन, तीनों को एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील और जागरूक बनाने के लिए बने हैं। सिद्धांततः अपनी खबरों के प्रति वे लोगों में विश्वास पैदा करते हैं। कई बार तो यह भी देखने में आता है कि हम टेलीविजन की खबरों के प्रति अविश्वास करते-करते भी विश्वास करने लगते हैं। लोकप्रिय लहजे में अगर कहें, तो नहीं-नहीं करके भी हम हां कर बैठते हैं।

> "भारतीय लोकतंत्र के नागरिक के रूप में हमारी तथ्य-तर्कपूर्ण सोच शायद टीवी न्यूज के रहस्य, रोमांच और ड्रामा में कहीं तिरोहित होती जा रही है।"

घटनाएं तो सच ही होती हैं, किंतु जब वे टीवी चैनल की खबरों में बदलती हैं, तो उतनी निर्दोष या सहज नहीं रह जातीं। सरकारी टेलीविजन की खबरें हों, तो उनमें राज सत्ता की छवि दिखती है। निजी चैनल हों, तो बाजार और पूंजी की वाणी खबरों की पृष्ठभूमि में चलती रहती है। आग्रह, पूर्वाग्रह, रोमांच, उत्तेजना, हिंसक बर्ताव, ड्रामा, ऐक्शन आदि खबरों का हिस्सा बनकर हमारे व्यवहार, बर्ताव, मन और सोच की दुनिया में सक्रिय हो जाते हैं। टेलीविजन के परदे पर जहां तर्क-तथ्य की व्याख्या से पूर्ण बहस होनी चाहिए, वहां हिंसा, रोमांच, ड्रामा और एक्शन से भरे विवाद का स्तर इतना बढ़ जाता है कि कई बार लाइव डिबेट में भाग लेने वालों की जान तक चली जाती है। दर्शक और समाज इन ड्रामा से भरे विमर्शों पर अनेक बार विश्वास करने लगता है। विश्वास करने वाले और विश्वास पैदा करने वाले के बीच शक्ति और पूंजी का एक अदृश्य व रहस्यमय संसार सक्रिय रहता है।

न्यूज चैनलों के ही साथ है सोशल मीडिया, जिसे पहले विकल्प के रूप में देखा गया था, पर आज दोनों एक-दूसरे की जकड़न में हैं। न्यूज चैनल केसाथ सोशल मीडिया की जुगलबंदी चलती रहती है। कई बार सोशल मीडिया न्यूज चैनल की खबरों को और कई बार चैनल की खबरें सोशल मीडिया को रचती हैं, बल्कि कई बार वे एक-दूसरे के समाचार को चीर-फाड़कर अपने 'ट्रस्ट बेनिफिट' को भी बढ़ाते हैं। यह सब बाजार के खेल का हिस्सा होता है। डर यह है कि एक दिन टीवी खबरों पर जनता का अविश्वास हद से ज्यादा न बढ़ जाए। न्यूज चैनल कई बार जनता की रुचि को रचते हैं, फिर कहते हैं कि समाज ऐसी ही खबरों में दिलचस्पी रखता है, इसलिए हम इन्हें दिखाते हैं। न्यूज चैनलों की दुनिया में मृत्यु, आत्महत्या, प्रतिरोध सब एक भाव से खबर के बाजार में बेचे जाते हैं।

कई समाज विज्ञानी अध्ययनों से जाहिर होता है कि लोगों के मन में टीवी चैनलों की खबरों की तुलना में अखबारों की खबरों पर ज्यादा विश्वास होता है, लेकिन न्यूज चैनलों द्वारा दिखाई गई खबरें पढ़ी गई खबरों से ज्यादा प्रभावी ढंग से मन-मस्तिष्क में बैठती हैं। कहते हैं कि भारतीय लोकतंत्र में 1990 के दशक में एक जागरूक व आलोचनात्मक चेतना से लैस जो 'नागरिक समाज' बना था, उस नागरिक समाज की धार लगभग खत्म हो गई है। इसकी धार को खत्म करने में एक तो राज सत्ता की भूमिका रही, और दूसरी 24 घंटे दिखाए जा रहे न्यूज चैनलों की। नागरिक के रूप में हमारी सोच शायद रहस्य, रोमांच व ड्रामा से भरी खबरों में कहीं तिरोहित हो गई है।

यह भी ठीक है कि उच्च वर्ग व मध्य वर्ग की तुलना में समाज के निम्न वर्ग और दूरस्थ के सामाजिक समूहों पर टीवी खबरों के संजाल का असर कम है। कई बार समाज में बेहतर काम करने वालों की 'सक्सेस स्टोरी' न्यूज चैनलों के जरिए प्रसारित हो कई के लिए सामाजिक प्रेरणा का काम करती है। वैसे अधिकांश न्यूज चैनलों में सामाजिक खबरों के लिए जगह बहुत कम बची है।

राष्ट्रीय न्यूज चैनलों की दुनिया राजनीतिक दलों के लिए धारणा निर्माण में भी कहीं न कहीं भूमिका निभाती है। ये चैनल भारतीय जनता की सियासी तरजीह या चाहत तय करने के लिए माहौल बनाते हैं। यह ठीक है कि चैनलों द्वारा बनाई गई धारणा मतदान केंद्रों पर पूरी तरह से वोटों में नहीं बदल पाती, लेकिन चार-पांच प्रतिशत भारतीय मतदाता, जिनका पक्ष पहले से बहुत निश्चित नहीं होता, और जिन्हें 'शिफ्टिंग वोट' भी कहते हैं, उनकी चुनावी पक्षधरता निर्मित करने में न्यूज चैनलों की एक भूमिका होने लगी है।

शायद भविष्य में भारतीय जनतंत्र इतना जागरूक हो जाए कि जिसकी धूम न्यूज चैनलों पर जरूरत से ज्यादा दिखे, वह चुनावों में प्रायः हार जाए, लेकिन पता नहीं, ऐसा कब होगा? पश्चिमी जनतंत्रों में तो ऐसा कई बार होता है। भारतीय जनतंत्र में भी ऐसा हुआ है, लेकिन इसे भारतीय जनतंत्र में 'मुख्य चलन' बनने में काफी वक्त लग सकता है।

भारतीय लोकतंत्र या भारतीय समाज की आज एक बड़ी चुनौती यह है कि न्यूज चैनलों की घटाटोप में उसका विवेक कैसे जिए? भारतीय जनमन का आलोचना-बोध खबरों की राजनीति, बाजार, सत्ता और शक्ति की आक्रामक राजनीति में भी आंधी में दीये की तरह जलता रहे। अगर हमारे यहां के न्यूज चैनल और जनता का विवेक, दोनों एक-दूसरे को प्रखर बनाते रहते, तो टीवी सेट्स की 'आंखन देखी' भारतीय समाज की जीवनी शक्ति बन सकती थी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

दागियों पर शिकंजा

अदालत की सख्ती के बावजूद सफलता नहीं

अनूप भटनागर

उच्चतम न्यायालय की कवायद के बावजूद देश की राजनीति से आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को बाहर रखने के प्रयासों में बहुत अधिक सफलता नहीं मिल रही है। माननीयों से संबंधित मुकदमों के तेजी से निपटारे के लिये विशेष अदालतें बन गयीं लेकिन इन नेताओं से संबंधित मुकदमों की सुनवाई न्यायालय द्वारा निर्धारित एक साल की अवधि के भीतर पूरी नहीं हो पा रही है।

दरअसल, दागी नेताओं के खिलाफ लंबित मुकदमों में जांच एजेंसियों द्वारा तत्परता से जांच पूरी करके आरोप-पत्र समय से दाखिल नहीं किये जाते। इसकी वजह से अभियोग समय पर निर्धारित नहीं हो पाते। कई मामलों में ऊपरी अदालत के स्थगन आदेश आ जाते हैं। यही संकेत सवाल पैदा कर रहे हैं कि क्या देश की राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त हो पायेगी?

अगर केन्द्र, राज्य सरकारें तथा राजनीतिक दल वास्तव में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपराधीकरण से मुक्त कराना चाहते हैं तो उन्हें मिलकर राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय देना होगा। शीर्ष अदालत के सख्त रुख के बाद केन्द्र की मोदी सरकार ने सांसदों और विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों की तेजी से सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए 12 विशेष अदालतें गठित की थीं, लेकिन ये संख्या पर्याप्त नहीं हैं। मौजूदा और पूर्व सांसद-विधायकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमों की सुनवाई एक साल के भीतर पूरी करने के निर्देश पर अमल के लिए न्याय मित्र ने प्रत्येक जिले में विशेष अदालत बनाने का सुझाव दिया है। बताते हैं कि इलाहाबाद में स्थित ऐसी एक विशेष अदालत के पास 12 जिलों के ऐसे मुकदमे हैं।

शीर्ष अदालत को दी गयी जानकारी के अनुसार इस समय वर्तमान और पूर्व सांसदों-विधायकों के खिलाफ देश की तमाम अदालतों में लंबित 4,442 आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। इनमें से कम से कम 2,556 मुकदमे तो मौजूदा माननीयों से संबंधित हैं।

उच्चतम न्यायालय ने 16वीं लोकसभा के लिए चुनाव से ठीक पहले 10 मार्च, 2014 को एक आदेश में कहा था कि जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 8 (1) से धारा 8 (3) के दायरे में आने वाले अपराधों के लिए मुकदमों का सामना कर रहे सांसदों-विधायकों की संलिप्तता वाले मुकदमों की सुनवाई, जिनमें अभियोग निर्धारित हो चुके हैं, एक साल के भीतर पूरी की जाये। ऐसा नहीं होने पर संबंधित अदालत को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को लिखित में स्पष्टीकरण देना होगा। आदेश के बाद केन्द्र सरकार ने शुरू में ढुलमुल रवैया अपनाया लेकिन न्यायालय का कड़ा रुख देखते हुये अंततः उसने ऐसी 12 विशेष अदालतें गठित करने के निर्णय से शीर्ष अदालत को अवगत कराया था। इन विशेष अदालतों ने एक मार्च, 2018 से काम शुरू किया। हालांकि, विशेष अदालतों की इतनी कम संख्या से न्यायालय संतुष्ट नहीं था।

न्यायालय ने केन्द्र से कहा था कि प्रत्येक जिले में एक सत्र अदालत और एक मजिस्ट्रेट अदालत नामित करने की बजाय उच्च न्यायालय इन माननीयों की संलिप्तता वाले आपराधिक मामलों को जरूरत के मुताबिक इन अदालतों को सौंप सकती है। लेकिन न्याय मित्र विजय हंसारिया ने अब शीर्ष अदालत को सुझाव दिया है कि सांसदों-विधायकों से संबंधित मुकदमों की सुनवाई के लिए प्रत्येक जिले में विशेष अदालतें स्थापित की जायें और उच्च न्यायालय इनके मुकदमों की प्रगति की निगरानी करे।

न्यायालय में सुझाव दिया गया है कि विशेष अदालतों को मौत या उम्रकैद की सजा वाले अपराधों के मुकदमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके बाद सात साल या इससे अधिक की सजा के दंडनीय अपराध के मुकदमों और दूसरे मुकदमों की सुनवाई करनी चाहिए। न्यायालय को बताया गया है कि 413 ऐसे आपराधिक मामले हैं, जिनमें अपराध सिद्ध होने पर उम्रकैद की सजा हो सकती है। इनमें से 174 मामलों में वर्तमान सांसद-विधायक आरोपी हैं।

माननीयों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून, 1988, धन शोधन रोकथाम कानून, 2002, शस्त्र कानून, 1959, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान से रोकथाम कानून, 1984 के तहत अपराधों के साथ ही भारतीय दंड संहिता की धारा 500 के अंतर्गत मानहानि के मामले भी हैं। इस बीच, भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने जनप्रतिनिधित्व कानून में संशोधन करके चुनाव लड़ने के अयोग्य नेताओं, सांसदों-विधायकों और पूर्व सांसदों-विधायकों को राजनीतिक दल बनाने या उसका पदाधिकारी बनने से वंचित करने का मुद्दा उठाया है। हालांकि, दिसंबर, 2017 में संविधान पीठ ने इस पर विचार करने से इंकार करते हुये सवाल किया था कि अदालतें किस सीमा तक जा सकती हैं? सरकार और संसद को इस पर गौर करने दीजिये।

बहरहाल, माननीयों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों में आरोप पत्र दायर करने और अभियोग निर्धारित करने जैसी प्रक्रिया लंबे समय तक पूरी नहीं होने का ही नतीजा है कि आपराधिक मामला लंबित होने की हलफनामे में घोषणा करके ऐसे नेतागण चुनाव में अपनी किस्मत आजमाते हैं और जीत कर सांसद-विधायक भी बन जाते हैं। इस समस्या से निपटने और राजनीति को अपराधीकरण से रोकने के प्रयासों में पुलिस और अभियोजन की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि पुलिस बगैर किसी दबाव के नेताओं की संलिप्तता वाले मामलों की जांच तेजी से करेगी ताकि ऐसे मुकदमों की सुनवाई निर्धारित समय में पूरी हो सके।

कोविड-19

कब मिलेगी मुक्ति?

ऋतुपर्ण दवे

कोरोना ने तमाम विकास और दावों, खासकर स्वास्थ्य को लेकर पूरी दुनिया की कलई खोल दी है।

इस वैश्विक महामारी ने फिर बतला दिया कि कहीं-से-कहीं पहुंच जाओ, चुनौतियां उससे भी तेज ऐसी मुंह बाये आ खड़ी होती हैं कि पूछिए मत। 21वीं सदी के इस युग में यह लाचारी और बेबसी नहीं तो और क्या है जो महज 0.85 एटोग्राम यानी 0.00000000000000000085 ग्राम के कोरोना के एक कण, जिसे केवल इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप विश्लेषण तकनीक से ही देखा जा सकता है ने ऐसा तूफान मचाया कि पूरी की पूरी मानव सभ्यता पर भारी पड़ गया।

बदहाल हो चुकी दुनिया को इस बेहद अतिसूक्ष्म वायरस से कब मुक्ति मिलेगी, कोई नहीं जानता। अलबत्ता गणित के हिसाब से करोड़ों को गिरफ्त में लेने की जुगत वाले कोरोना के वजन की बात करें तो 3 मिलियन यानी 30 लाख लोगों में मौजूद वायरस का कुल वजन केवल 1.5 ग्राम होगा। इससे, इसकी भयावहता का केवल अंदाज लगाया जा सकता है। एशियाई विकास बैंक के ताजे आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के साथ-साथ केवल दक्षिण एशिया के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी पर 142 अरब से 218 अरब डॉलर तक असर होगा। यह बेहद चिन्ताजनक स्थिति होगी जो झलक रही है, लेकिन सवाल फिर वही कि दुनिया के विकास के दावे कितने सच, कितने झूठ? इसमें कोई दो राय नहीं कि स्वास्थ्य को लेकर मानव सभ्यता 21वीं सदी में भी बहुत पीछे है। ले देकर दवाई से ज्यादा बचाव का सदियों पुराना तरीका और दादी के नुस्खे कोरोना काल में भी कारगर होते दिख रहे हैं। मतलब स्वास्थ्य को लेकर दुनिया के सामने गंभीर चुनौतियां बरकरार हैं और इनसे बहुत कुछ सीखने, जानने और समझने के साथ यह भी शोध का विषय है कि आखिर हर 100 साल बाद ही महामारी नये रूप में क्यों आती है? हालात बताते हैं कि पुरानी महामारियों सरीखे कोरोना जल्द जाएगा नहीं। सवाल यही कि तो काबू में कैसे आएगा?

स्वास्थ्य को लेकर औसतन हालात देश भर में बेहद खराब हैं। मरीजों को कहीं ऑक्सीजन, कहीं बिस्तर, कहीं आईसीयू की कमी का सामना करना पड़ रहा है तो कहीं चिकित्सकों की बेरूखी या सही देखरेख के न होने से तो कहीं ऑक्सीजन जैसी प्राणवायु की कालाबाजारी से दो चार होना पड़ रहा है।

दवा के नाम पर जानी-पहचानी साधारण गोलियां भी कोरोना काल में आड़े है क्योंकि इससे लोगों में खासा भ्रम भी फैल रहा है। इस बीच कोरोना से बचाव के वास्ते लगाए गए लॉकडाउन ने दुनिया के अर्थतंत्र की कमर तोड़ दी है। दोबारा लॉकडाउन से अव्यव्थाओं की महामारी का सिलसिला चल पड़ा है। ऐसे में कोरोना के साथ भी जीना है, कोरोना के बाद भी जीना है। हर 100 साल की तरह इतिहास ने खुद को क्या दोहराया, कोरोना नई महामारी बनकर सामने आया। हालात सैकड़ों बरस पहले जैसे हैं। न तो बीमारी की सही तासीर मालूम न ही दुनिया के पास कोई वैक्सीन या ठोस इलाज ही है। ऐसे में कोरोना के इलाज से ज्यादा उससे बचाव पर ध्यान केंद्रित करना स्वाभाविक है। यूं तो दुनिया भर में कोरोना वैक्सीन के दर्जनों क्लीनिकल ट्रायल जारी हैं। कई जगह तीसरे चरण का दौर है। पूरी प्रक्रिया जटिल है। अगले साल तक वैक्सीन बन भी गई तो आम लोगों तक पहुंचाने की प्रक्रिया भी कठिन होगी। दुनिया भर में 130 से ज्यादा टीकों पर शोध और प्रयोग का दौर जारी है, लेकिन इसके आने से पहले ही बाजारवाद और दुनिया भर के महत्त्वपूर्ण चुनाव का असर दिखने लगा है। रूसी टीका स्पूतनिक-वी से भारत को तमाम उम्मीदें हैं तो ऑक्सफोर्ड यूनिर्वसटी व दवा निर्माता कंपनी ऐस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित कोविड-19 टीके पर दो दिन पहले रोक और फिर इजाजत काबिले सुकून है। इस बीच भारत में तेजी से बढ़ते संक्रमण ने चिंता बढ़ा दी है, लेकिन उससे भी बड़ा सच यह कि केवल वही अभागा कोरोना का असल खौफ समझ पा रहा है, जिसने किसी अपने को खोया है।

अनेकों सच भी सामने हैं जिसे लोगों ने देखा, समझा या महसूस किया है। जिनमें कोरोना से मृतकों के पॉलिथिन में पैक शरीर और पीपीई किट पहन अंतिम संस्कार करते स्वजन तो कहीं शमशान में अंतिम क्रिया नहीं करने देने पर घंटों भटकते शव की सच्चाई ने बुरी तरह से आहत किया, लेकिन फिर भी लोग हैं कि मानते नहीं। बस मास्क भर तो लगाना है और दो गज की दूरी रखना है वह भी घर से बाहर सार्वजनिक जगहों पर। ऐसे में इतना करना है जिसे प्रधानमंत्री भी कहते हैं कि, 'जब तक नहीं दवाई, तब तक नहीं ढिलाई।' सच भी है क्योंकि कोरोना से बहुत लंबी बाकी है लड़ाई।

एडीबी का अनुमान, 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में आएगी 9फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2020-21 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 9 फीसदी की गिरावट आने का अनुमान जताते हुए आज कहा कि कोरोना वायरस महामारी का भारतीय आर्थिक गतिविधियों ओर उपभोक्ताधारणा पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ा है। एडीबी ने एशियाई विकास परिदृष्य 2020 के आज जारी नई रिपोर्ट के हालांकि कहा है कि वर्ष 2021 में मोबिलिटी और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आने से अर्थव्यवस्था में तीव्र सुधार होगा और भारतीय अर्थव्यवस्था आठ फीसदी की दर से बढ़ेगी। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री यासुयुकी सवादा ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि भारत ने कोरोना से निपटने के लिए कठोर लॉकडाउन लागू किया और इसका अर्थव्यवस्था पर बहुत ही विपरीत प्रभाव हुआ। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी को नियंत्रित करने के लिए जांच में तेजी, कोरोना पीड़ितों की पहचान और उपचार की क्षमता बढ़ाने जैसे उपाय किये जाने की जरूरत है ताकि अगले वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत में अभी वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक कोरोना मरीज है। उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी ऋण के स्तर को भी कम करने की जरूरत है क्योंकि इससे प्रौद्योगिकी और इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश प्रभावित हो रहा है औरइससे आगे वित्तीय क्षेत्र कमजोर हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2020 में महंगाई में गिरावट आ सकती है। अगले वित्त वर्ष में महंगाई चार फीसदी पर आ सकती है। चालू वित्त वर्ष में चालू खाता घाटा के जीडीपी के 0.3प्रतिशत पर आ सकता है और अगले वित्त वर्ष में इसके बढ़कर 0.6 प्रतिशत पर पहुंचने का अनुमान है। इससे आगे वित्तीय क्षेत्र कमजोर हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2020 में महंगाई में गिरावट आ सकती है। अगले वित्त वर्ष में महंगाई चार फीसदी पर आ सकती है। चालू वित्त वर्ष में चालू खाता घाटा के जीडीपी के 0.3प्रतिशत पर आ सकता है और अगले वित्त वर्ष में इसके बढ़कर 0.6 प्रतिशत पर पहुंचने का अनुमान है।

हाजिर मांग के चलते सोना वायदा में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर मांग में तेजी के चलते सटोरियों के नए सौदे करने से सोने की कीमत मंगलवार को वायदा बाजार में 323 रुपये बढ़कर 52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अक्टूबर डिलीवरी के लिए सोने के अनुबंध 323 रुपये या 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुए। इसमें 11,397 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि प्रतिभागियों के ताजा सौदों के कारण सोने की कीमतों में तेजी रही। इस बीच न्यूयॉर्क में सोने की कीमत 0.43 प्रतिशत बढ़कर 1,972.20 डॉलर प्रति औंस हो गई।

खुदरा मुद्रास्फीति में मामूली राहत, अगस्त में घटकर हुई 6.69 प्रतिशत

नई दिल्ली। खाने के सामान की महंगाई दर कुछ कम होने से खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त महीने में मामूली घटकर 6.69 प्रतिशत रही। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़े के अनुसार हालांकि खाद्य मुद्रास्फीति अभी भी ऊंची बनी हुई है। सरकार ने जुलाई महीने की खुदरा मुद्रास्फीति का आंकड़ा संशोधित कर 6.73 प्रतिशत कर दिया है जबकि पहले इसके 6.93 प्रतिशत रहने की बात कही गयी थी। माह के दौरान खाद्य वस्तुओं की महंगाई 9.62 प्रतिशत रही। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आंकड़े के अनुसार अगस्त महीने में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति मामूली घटकर 9.05 प्रतिशत रही। रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति की समीक्षा करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। सरकार ने केंद्रीय बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ 4 प्रतिशत पर रखने का जिम्मा सौंपा है।

धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था खुलने के बाद लैमबोर्गिनी को मिलने लगे हैं नए ऑर्डर : अग्रवाल

नयी दिल्ली।

कोविड-19 का टीका आने कीउम्मीद तथा अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खोले जाने के बाद इटली की सुपर स्पोर्ट्स कार कंपनी लैमबोर्गिनी को भारतीय बाजार में नए ऑर्डर मिलने लगे हैं। लैमबोर्गिनी इंडिया के प्रमुख शरद अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा कि देश में लॉकडाउन के बाद अब अनलॉक की शुरुआत हो चुकी है। इसक वजह से बिक्री और बिक्री बाद (ऑफ्टर सेल्स) सेवाओं के लिए उपभोक्ताओं की धारणा सकारात्मक हो रही है।

अग्रवाल ने कहा, ''मौजूदा परिदृश्य को देखते हुए हमारा कारोबार बेहतर तरीके से आगे बढ़ रहा है।

हां, हमने कारों की डिलिवरी शुरू कर दी है।'' उन्होंने कहा, ''हम कुछ नए मॉडल ला रहे हैं। हमारी कारों के लिए इंतजार की अवधि लंबी होती है। लोग जानते हैं कि उनकी कार अगले साल ही आएगी। इस दृष्टि से देखा जाए, तो हमारा कारोबार काफी सकारात्मक है। ऑफ्टरसेल्स में भी सुधार हुआ है। इसका मतलब है कि लोगों ने अब अपनी कारों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है।'' अग्रवाल ने कहा, ''अब हमें नए ऑर्डर मिलने लगे हैं। लोग इस बात को समझते हैं कि यदि वे सितंबर में कार बुक कराएंगे तो उन्हें डिलवरी अगले साल मार्च-अप्रैल में मिलेगी। हमारे यहां 'वेटिंग पीरियड 6-8 महीनों का होता है।''

उन्होंने कहा कि कोविड-19 के टीके के विकास को लेकर उम्मीदों से भी लोगों की धारणा सकारात्मक हुई है।

'शॉर्ट्स' के साथ यूट्यूब भी अब शॉर्ट वीडियो के मैदान में

नयी दिल्ली। भारत के शॉर्ट वीडियो बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। टिकटॉक पर रोक के बाद देश में शॉर्ट वीडियो के बाजार में जो रिक्त स्थान पैदा हुआ था, उसे भरने के लिए कई कंपनियां मैदान में उतर रही हैं। अब यूट्यूब भी इस खंड में उतरने जा रही है। गूगल के स्वामित्व वाली कंपनी यूट्यूब शॉर्ट वीडियो के लिए नई पेशकश 'शॉर्ट्स' लाने जा रही है। एक ब्लॉगपोस्ट में यूट्यूब ने कहा कि वह एक नया छोटी अवधि का वीडियो अनुभव 'शॉर्ट्स' तैयार कर रही है। इसके जरिये 15 सेकंड या कम समय का शॉर्ट वीडियो साझा किया जा सकेगा। इससे अपने मोबाइल फोन के जरिये छोटी अवधि का रोचक वीडियो बनाने के इच्छुक लोगों को लाभ होगा। पोस्ट में कहा गया है, ''अगले कुछ दिन के दौरान हम शॉर्ट्स का शुरुआती बीटा संस्करण पेश कर रहे हैं। इसके परीक्षण के लिए वीडियो बनाने के कुछ 'टूल्स' भी उपलब्ध कराए जाएंगे।'' यूट्यूब ने कहा कि यह इस उत्पाद का शुरुआती संस्करण है। इसे हमारे सामुदायिक प्रयोगकर्ताओं, वीडियो बनाने वाले लोगों और कलाकारों के लिए पेश किया जा रहा है। हम शॉर्ट्स में सुधार करते रहेंगे। पोस्ट में कहा गया है कि प्रयोगकर्ताओं से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर इसमें और फीचर जोड़े जाएंगे तथा इसका अन्य देशों में विस्तार किया।

दूसरे दिन पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने आज दूसरे दिन पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की है। तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का मूल्य 17 पैसे घटकर 81.55 रुपए प्रति लीटर है। कोलकाता और मुंबई में भी 17-17 पैसे सस्ता हुआ है। एक लीटर पेट्रोल कोलकाता में 83.06 रुपये और मुंबई में 88.21 रुपये का बिका। चेन्नई में यह 15 पैसे सस्ता होकर 84.57 रुपये प्रति लीटर रह गया। दिल्ली और कोलकाता में डीजल की कीमतें 22-22 पैसे कम होकर 72.56 रुपये और 76.06 रुपये प्रति लीटर रही। मुंबई में डीजल 24 पैसे सस्ता होकर 79.05 रुपये और चेन्नई में 21 पैसे सस्ता होकर 77.91 रुपये प्रति लीटर के भाव-बिका।होकर 77.91 रुपये प्रति पेट्रोल डीजल के भाव रोजाना बदलते हैं और सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल डीजल का रोज़ का रेट आप स्स्र के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल के कस्टमर ऋस्क के साथ शहर का कोडलिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं। लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं, एचपीसीएल उपभोक्ता लिखकर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

प्याज की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार ने लिया फैसला, निर्यात पर लगाया बैन

नई दिल्ली।

सरकार ने प्याज की सभी किस्मों के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इसकी वजह घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ाना और कीमतों पर नियंत्रण रखना है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने इस संबंध में सोमवार को अधिसूचना जारी की। दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश की वजह से प्याज की फसलों को नुकसान हुआ है। इस वजह से घरेलू बाजार में प्याज की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। थोक मंडियों में 8 अगस्त के बाद से प्याज की कीमतों में लगातार तेजी आ रही है। इस दौरान कीमतें बढ़कर 2500 रुपए प्रति क्विंटल हो गई है। दुनियाभर में प्याज की सबसे ज्यादा खेती भारत में ही की जाती है। दक्षिण एशियाई खानों में प्याज का सबसे ज्यादा इस्तेमाल भी होता है। यही कारण है कि बांग्लादेश, नेपाल, मलेशिया

और श्रीलंका जैसे देश भारतीय प्याज पर ही निर्भर रहते हैं। एक महीने के अंदर ही महाराष्ट्र के लासलगांव में प्याज का थोक भाव 30,000 रुपए प्रति टन पहुंच गया है। लासलगांव देश की सबसे बड़ी प्याज मंडी है।

भारी बारिश से प्याज की फसल नुकसान

मुंबई स्थित प्याज निर्यात संघ के अध्यक्ष अजित शाह ने बताया कि कनार्टक और आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिण राज्यों में इस साल भारी बारिश देखने को मिली है। यही कारण है कि प्याज की फसलों को नुकसान पहुंचा है। जबकि, अन्य राज्यों में फिलहाल प्याज की फसल में देरी हो रही है।

अभी प्याज की कीमतें घटने की उम्मीद नहीं

रिटेल में 15-20 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर बिकने वाली प्याज की कीमतें अब 35-45 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। कारोबारियों का कहना है कि आलू के बाद अब प्याज की कीमतों में तेजी आ रही है। इसकी वजह प्याज की फसल का खराब होना है। अगले 15 दिन तक प्याज की कीमतों में कमी की उम्मीद नहीं है।

1 अक्टूबर से देशभर में खुल जाएंगे सिनेमाघर

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के चलते पूरे देश में 23 मार्च से सिनेमाघर बंद हैं। देशभर में अनलॉक-4 जारी है। केंद्र सरकार अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए धीरे-धीरे उद्योग-धंधों को सशर्त खोलने की इजाजत दे रही है। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रही है कि देश भर में 1 अक्टूबर से सिनेमाघर खुलने जा रहे हैं। लेकिन सरकार ने इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है और कहा है कि गृह मंत्रालय ने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है। भारत सरकार के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पीआईबी फैक्ट चेक ने कहा कि, एक मीडिया रिपोर्ट ने दावा किया है कि गृह मंत्रालय ने सख्त नियमों का लागू करने के साथ 1 अक्टूबर से देशभर के सिनेमाघर को फिर से खोलने का आदेश दिया है। ये दावा बिल्कुल फेक है। गृह मंत्रालय ने सिनेमाघर को दोबारा खोलने को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। बता दें कि केंद्र सरकार ने अनलॉक चार को लेकर जारी किए गए गाइडलाइंस में ही सरकार ने सिनेमाहॉल्स को लेकर साफ कर दिया था कि अभी ये नहीं खुलेंगे। मेट्रो और ओपन एयर थियेटर को खोलने की इजाजत दी गई थी। कोरोना के 90 हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए सरकार ने सिनेमाघरों को खोलने की इजाजत नहीं दी है। कोरोना के 90 हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए सरकार ने सिनेमाघरों को खोलने की इजाजत नहीं दी है।

सहकारी बैंकों पर होगी आरबीआई की नजर, बैंक डिफॉल्ट होने पर भी सुरक्षित रहेगा आपका पैसा

बिजनेस डेस्क।

जिस तरह से सभी सरकारी और प्राइवेट बैंक को रेगुलेट करता है, उसी तरह से अब सहकारी बैंकों पर भी नजर रखेगा। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस समय देश में 1,482 शहरी सहकारी बैंक और 58 मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव बैंक हैं। मोदी सरकार के इस नए फैसले से अब इन सभी 1,540 सहकारी बैंकों को रेगुलेट करेगी।

अब क्या होगा ग्राहकों पर असर

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये फैसला ग्राहकों के हित में है क्योंकि अगर अब कोई बैंक डिफॉल्ट करता है तो बैंक में जमा 5 लाख रुपए तक की राशि पूरी तरह से सुरक्षित है। क्योंकि वित्त मंत्री ने एक फरवरी 2020 को पेश किए बजट में इसे 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया है। अगर कोई बैंक डूब जाता है या दिवालिया हो जाता है तो उसके जमाकर्ताओं को अधिकतम 5 लाख रुपए ही मिलेंगे, चाहे उनके खाते में कितनी भी रकम हो। के मुताबिक, बीमा का मतलब यह भी है कि जमा राशि कितनी भी हो ग्राहकों को 5 लाख रुपए मिलेंगे। एक्ट, 1961 की धारा 16 (1) के प्रावधानों के तहत, अगर कोई बैंक डूब जाता है या दिवालिया हो जाता है, तो छ्ढ्डष्टत्ष्ट प्रत्येक जमाकर्ता को भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होता है। उसकी जमा राशि पर 5 लाख रुपए तक का बीमा होता है। आपका एक ही बैंक की कई ब्रांच में खाता है तो सभी खातों में जमा अमाउंट पैसे और बे याज जोड़ा जाएगा और केवल 5 लाख तक जमा को ही सुरक्षित माना जाएगा। यही नहीं, अगर आपके किसी एक बैंक में एक से अधिक अकाउंट और स्नष्ठ हैं तो भी बैंक के डिफॉल्ट होने या डूब जाने के बाद आपको एक लाख रुपए ही मिलने की गारंटी है। यह रकम किस तरह मिलेगी, यह गाइडलाइंस तय करता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस फैसले से सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि जनता में यह संदेश जाएगा कि उनका पैसा सुरक्षित है। रिज़र्व बैंक यह सुनिश्चित करेगा कि को-ऑपरेटिव बैंकों का पैसा किस क्षेत्र के लिए आवंटित किया जाना चाहिए। इसे प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिंग भी कहा जाता है। इन बैंकों के रिज़र्व बैंक के अधीन आने पर इन्हें भी अब आरबीआई के नियम मानने होंगे जिससे देश की मौद्रिक नीति को सफल बनाने में आसानी होगी। साथ ही, इन बैंकों को भी अपनी कुछ पूंजी के पास रखनी होगी। ऐसे में इनके डूबने की आशंका कम हो जाएंगी. सरकार के इस फैसले से जनता का विश्वास देश के को-ऑपरेटिव बैंकों में और बढ़ेगा और देश में बैंकों की वित्तीय हालात ठीक होने के आसार बढ़ेंगे।

पीसी जूलर को पहली तिमाही में 73.55 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा

नई दिल्ली। आभूषण बेचने वाली कंपनी पीसी जूलर लि. को 2020-21 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में 73.55 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में 39.21 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी की शुद्ध आय 2020-21 की पहली तिमाही में घटकर केवल 87.02 करोड़ रुपए रही जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में उसकी आय 1,417.14 करोड़ रुपए थी। पीसी जूलर के अनुसार कोविड-19 महामारी और उसकी रोकथाम के लिए लगाए गए 'लाकडाउन से खुदरा कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ा है। कंपनी से मई के पहले सप्ताह से नियामकीय प्राधिकरण के निर्देशों का पालन करते हुए परिचालन शुरू कर दिया।

फेस्टिव सीजन में 70 हजार लोगों को नौकरी देगी फ्लिपकार्ट

नई दिल्ली।

ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट 70 हजार लोगों को नौकरी देने वाली है। सीधी नौकरियां सप्लाई चेन के तहत होंगी और इसके लिए डिलिवरी एक्जक्यूटिव, पिकर्स, पैकर्स और शॉटर्स की भर्ती की जाएगी। कंपनी त्योहारी सीजन और अक्टूबर महीने में शुरू होने वाली फ्लैगशिप बिग बिलियन डेज सेल से पहले लोगों को नाकरी देने वाली है। ईकार्ट और मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अमितेश झा ने कहा, हम अपने बिग बिलियन डे पर हर किसी के लिए मौके बनाएंगे। हम पूरे इकोसिस्टम को प्रभावित करने का प्रयास करेंगे। हमारा लक्ष्य ग्राहकों को शानदार अनुभव देना होगा और इसके तहत हमारे साथ कई लोग डायरेक्ट तौर पर जुड़ेंगे। इसके अलावा अपरोक्ष तौर पर फ्लिपकार्ट के सेलर पार्टनर लोकेशन और किराना दुकानों पर रोजगार उत्पन्न किए जाएंगे। लास्ट माइल डिलिविरी के लिए फ्लिपकार्ट 50 हजार से अधिक किराना दुकानों को अपने साथ जोड़ेगा और इसके तहत किराना सामनों की डिलिवरी के लिए हजारों नौकरियों का सृजन होगा। फ्लिपकार्ट आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और डिजिटल प्रशिक्षण के माध्यम से अपने प्रत्यक्ष काम के लिए ट्रेनिंग चला रहा है। कोरोना वायरस महामारी के दौर में लोग किराने का सामान भी ऑनलाइन ऑर्डर कर रहे हैं जिसके चलते कंपनियों की बिक्री भी बढ़ी है। ई-कॉमर्स कंपनियों की मानें तो फेस्टिव सीजन में उनके कारोबार में बड़ा फायदा होगा।

इसके लिए कंपनियां अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए ज्यादा निवेश कर रही हैं। इसके अलावा अमेजन इंडिया ने पांच सेंटर्स जोड़ने की घोषणा की है।

हवाई यात्रा के दौरान लापरवाही बरतने पर लगेगा एक करोड़ रुपए जुर्माना, संसद में पास हुआ बिल

नई दिल्ली।

राज्यसभा ने हवाई जहाज संशोधन बिल 2020 को मंजूरी दे दी है। अब हवाई उड़ान के दौरान किसी यात्री ने लापरवाही बरत कर विमान की सुरक्षा को खतरे में डाला तो उस पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना लगेगा। पहले जुर्माना 10 लाख रुपए था। यह बिल साल 1934 के कानून की जगह लेगा। इसमें विमान में हथियार, गोला बारूद अन्य खतरनाक सामान ले जाने या विमान की सुरक्षा को खतरे में डालने वाले व्यक्ति को सजा के अलावा 1 करोड़ जुर्माना लगाने का प्रस्ताव है।

बेहतर होगी हवाई उड़ानों की सुरक्षा और सिक्योरिटी

यह संशोधन एविएशन सेक्टर में रेगुलेशन को और ज्यादा प्रभावशाली बनाएगा। इस नियम के आने से यह संशोधन इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन (आईसीएओ) के प्रावधानों को भी पूरा करने का काम करेगा। इससे देश की हवाई उड़ानों की सेफ्टी और सिक्योरिटी को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस नियम के आने से यह संशोधन इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन (आईसीएओ) के प्रावधानों को भी पूरा करने का काम करेगा। इससे देश की हवाई उड़ानों की सेफ्टी और सिक्योरिटी को बढ़ाने में मदद मिलेगी। देश के सिविल एविएशन सेक्टर की तीन रेग्यूलेटरी बॉडी डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी एंड एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो को ज्यादा प्रभावशाली बनाने में मदद करेगा। पिछले हफ्ते छ्ठ्रष्ट ने अपने नए निर्देश में कहा कि शेड्यूल फ्लाइट्स में उड़ान भरते और उतरते समय विमाम के अंदर से वीडियो फोटोग्राफी कर सकते हैं। हालांकि, इन निर्देशों के मुताबिक, ऐसे किसी भी रिकॉर्डिंग उपकरण की मनाही है, जिससे हवाई सुरक्षा को खतरा हो या नियमों का उल्लंघन होता हो। इसके साथ ही उड़ान के संचालन के दौरान कोई अड़चन पैदा करता हो या चालक दल की तरफ स्पष्ट रुप से प्रतिबंध किया गया हो। इन दिशा निर्देशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जा सकती है। इन दिशा निर्देशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

मोदी सरकार को झटका : टोयोटा मोटर्स भारत में नहीं करेगी विस्तार, ज्यादा टैक्स से बिगड़ी बात

बिजनेस डेस्क।

टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन ने कहा कि वह भारत में अपने कारोबार का और विस्तार नहीं करेगा। इसके लिए उसने भारत में ज्यादा टैक्स लगने को जिम्मेदार बताया है। कंपनी का यह कदम पीएम नरेंद्र मोदी सरकार के लिए बड़ा झटका है। पीएम मोदी कोरोनावायरस संक्रमण की वजह से बेपटरी हुई अर्थव्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए विदेशी कंपनियों को लुभाने की लगातार कोशिश करते आ रहे हैं। टोयोटा के लोकल यूनिट टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वाइस चेयरमैन शेखर विश्वनाथन ने कहा कि सरकार कार और बाइक पर ज्यादा टैक्स वसूलती है लिहाजा कंपनियों के लिए अपना कारोबार बढ़ाना काफी मुश्किल है। उन्होंने कहा, ज्यादा टैक्स की वजह से कई कंज्यूमर गाड़ियां खरीद भी नहीं पाते हैं। विश्वनाथन ने एक इंटरव्यू में ज्यादा टैक्स और बिजनेस के मामले में कहा, ÷यहां आने के बाद हमें जो मैसेज मिला वो ये है कि हम आपको नहीं चाहते। उन्होंने आगे कहा कि कोई टैक्स रिफॉर्म्स ना होने की वजह से हम भारतीय बाजार से पूरी तरह नहीं निकलेंगे लेकिन आगे अपना कारोबार नहीं बढ़ाने वाले हैं। टोयोटा दुनिया की सबसे बड़ी कार कंपनियों में से एक है। इसने भारत में अपने कारोबार की शुरुआत 1997 में की थी। इसकी लोकल यूनिट में जापानी कंपनी की 89 फीसदी हिस्सेदारी है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन डाटा के मुताबिक, अगस्त 2020 में कंपनी का मार्केट शेयर इंडियन बाजार में सिर्फ 2.6 फीसदी रह गया है जो एक साल पहले 5 फीसदी था।कार पर सिगरेट की तरह लग्जरी गुड्स टैक्स लगता है जिसकी वजह से बढ़ जाती हैं। टैक्स लगता है जिसकी वजह से इसकी कीमतें काफी बढ़ जाती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक, इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने पिछले हफ्ते बताया था कि सरकार कंपनियों को मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए आकर्षित करने के लिए 23 अरब डॉलर का इंसेंटिव देने का प्लान बना रही है। भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा कार मार्केट है लेकिन ऑटो कंपनियां अपने बिजनेस को विस्तार देने के लिए लगातार मुश्किलों से जूझ रही हैं। लिहाजा जनरल मोटर्स 2017 में भारतीय बाजार से निकल गई। जबकि फोर्ड मोटर ने भी पिछले साल अपने ज्यादातर एसेट्स भारत से बाहर ले जाने का फैसला किया है। फोर्ड भारत में महिंद्रा एंड महिंद्रा के साथ मिलकर पिछले दो दशक से ग्राहकों को लुभाने की कोशिश कर रही है लेकिन कामयाब नहीं हो पाई है।

इंडियन रेलवे ने बनाया रिकॉर्ड, कोरोना महामारी के दौरान बनाए 150 रेल इंजन

नई दिल्ली।

कोरोना महामारी के दौरान इंडियन रेलवे ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारतीय रेलवे के चितरंजन लोकोमोटिव वर्कशॉप ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में अभी तक करीब 150 रेल इंजनों का उत्पादन पूरा कर लिया है। अप्रैल-मई में पूरी तरह से लॉकडाउन होने और जुलाई, अगस्त तथा सितंबर में आंशिक लॉकडाउन के बावजूद इनका उत्पादन किया गया है। वर्कशॉप से 8 सितंबर को 100वां इंजन बन कर निकला था। भारतीय रेलव के चितरंजन रेल इंजन फैक्ट्री ने 70 साल पूरे कर लिए हैं। इस फैक्ट्री ने स्टीम इंजन से शुरूआत करते हुए डीजल और इलेक्ट्रिक इंजन को मिलाकर कुल 10,000 से ज्यादा रेलवे इंजन बनाने का काम पूरा किया जा चुका है। ये रेल फैक्ट्री 1948 से लगातार इंजन बना रही है। रेल इंजन फैक्ट्री ने वर्ष 2019-20 में कुल 431 इंजन का निर्माण कर ने वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया है। चितरंजन लोकोमोटिव में डब्लूएपी 7 इंजन भी बनाजा जा रहा है और ये इंजन हेड ऑन जनरेशन तकनीक पर चलता है। इस इंजन से बिजली की खपत भी कम होती है। यह इंजन का प्रयोग राजधानी और शाताब्दी जैसे हाई स्पीड गाडियों में किया जा रहा है। हाल ही में चितरंजन लोकोमोटिव वर्कशॉप में 200 किलोमीटर प्रति घंटा तक की स्पीड से चलने की क्षमता वाले इंजन डब्लूएपी 5 भी

बनाया गया है। इस इंजन की सहायता से पुश एंड पुल तकनीकी की मदद से भी ट्रेनों को चलाया जा रहा है। इस फैक्ट्री में 6000 एचपी से लेकर 9000 एचपी तक के इंजन को बनाया गया है। इस इंजन के जरिए माल गाड़ियों को चलाया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेट अभ्यास पर लौटे स्मिथ, इंग्लैंड के खिलाफ खेल सकते हैं आखिरी वनडे

मैनचेस्टर। आस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लैंगर ने मंगलवार को कहा कि स्टीव स्मिथ मंगलवार को नेट अभ्यास पर लौटेंगे और इंग्लैंड के खिलाफ तीसराइंग्लैंड के खिलाफ तीसरा और आखिरी वनडे खेलेंगे। आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्मिथ को अभ्यास के दौरान कोचिंग स्टाफ का एक थ्रो सिर पर लगा था। वह पहले दो मैच नहीं खेल पाए। लैंगर ने कहा कि स्मिथ ने सोमवार को रनिंग की और वह रिकवरी की राह पर हैं बशर्ते मैच की पूर्व संध्या पर पर्याप्त अभ्यास कर लें। तीसरा और आखिरी वनडे बुधवार को खेला जाएगा। लैंगर ने कहा, 'हम कनकशन के सारे प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं । वह सही दिशा में आगे बढ रहा है और उम्मीद है कि कल खेलेगा। तीसरा और आखिरी वनडे बुधवार को खेला जाएगा। लैंगर ने कहा, 'हम कनकशन के सारे प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं । वह सही दिशा में आगे बढ रहा है और उम्मीद है कि कल खेलेगा।

बैडमिंटन टूर्नामेंट पर कोरोना का असर

थॉमस एंड उबेर कप एक साल के लिए टाला, 7 देश पहले ही नाम वापस ले चुके; साइना समेत कई दिग्गजों ने चिंता जताई थी

स्पोर्ट्स डेस्क। कोरोना के बीच क्रिकेट, फुटबॉल समेत कई खेल पटरी पर लौट रहे हैं। ऐसे में बैडमिंटन टूर्नामेंट इस साल होते नजर नहीं आ रहे हैं। थॉमस एंड उबेर कप के 3 से 12 अक्टूबर तक डेनमार्क में शुरू होने की उम्मीद थी, लेकिन वह भी एक साल के लिए टल गया है। वर्ल्ड बैडमिंटन फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) मंगलवार को इसकी घोषणा की है। मेन्स सिंगल्स में 13 बार खिताब जीतने वाले इंडोनेशिया समेत कोरिया, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ताईवान, सिंगापुर और हांगकांग जैसे देश पहले ही नाम वापस ले चुके थे। साइना नेहवाल चिंता जता चुकीइसको देखते हुए मेन्स सिंगल्स में 13 बार खिताब जीतने वाले इंडोनेशिया समेत कोरिया, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ताईवान, सिंगापुर और हांगकांग जैसे देश पहले ही नाम वापस ले चुके थे। साइना नेहवाल चिंता जता चुकीइसको देखते हुए भारतीय स्टार शटलर साइना नेहवाल समेत कई दिग्गजों ने चिंता जाहिर की थी। साइना नेहवाल ने कहा था कि जब 7 बड़े देश नाम वापस ले चुके हैं, तो ऐसे में टूर्नामेंट को कराने का कोई मतलब नहीं होगा।

डेनमार्क मास्टर्स रद्द

वहीं, बीडब्ल्यूएफ ने 13 से 18 अक्टूबर तक होने वाले डेनमार्क सुपर 750 टूर्नामेंट को भी टाल दिया है। साथ ही डेनमार्क मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट को रद्द कर दिया है। यह टूर्नामेंट 20 से 25 अक्टूबर तक होना था।

थॉमस कप के लिए भारत ने टीम घोषित कर दिया था

थॉमस एंड उबेर कप के लिए भारतीय टीम घोषित हो चुकी थी। वर्ल्ड चैंम्पियन पीवी सिंधु और पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत भारत के 20 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करने वाले थे। इस टीम में साइना नेहवाल और कॉमनवेल्थ इस टीम में साइना नेहवाल और कॉमनवेल्थ गेम्स की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी भी शामिल थे।

आईपीएल 2020 में बेन स्टोक्स की मौजूदगी पर राजस्थान रॉयल्स ने दिया बड़ा बयान

स्पोर्ट्स डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2020 शुरू होने में अब सिर्फ तीन दिन बचे हैं। लेकिन राजस्थान रॉयल्स के ऑलराउंडर बेन स्टॉक्स अभी भी टीम के साथ नहीं जुड़े हैं। स्टोक्स के पिता को ब्रेन कैंसर और इस कठिन समय में न्यूजीलैंड में अपने परिवार के साथ हैं। उनकी आईपीएल में मौजूदगी पर फ्रेंचाइजी ने बड़ा बयान जारी किया है। इस मामले पर बात करते हुए राजस्थान रॉयल्स के हैड कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड्स ने माना है कि इस ऑलराउंडर के आईपीएल 2020 में उपलब्ध होने को लेकर फिलहाल स्थिति साफ नहीं है और इस मुश्किल समय में टीम मैनेजमेंट खिलाड़ी को पूरी तरह सपोर्ट कर रही है। मैकडॉनल्ड्स ने कहा, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, स्टोक्स परिवार के साथ विचार का है। यह एक कठिन परिदृश्य है, इसलिए हम उसे उतना समय दे रहे हैं जितना उसे जरूरत है और जितना हो सके हम उसके साथ हैं। हां, हमें यकीन नहीं है कि स्टोक्सिस अभी कहां हैं, लेकिन एक बार जब वह बाहर खेलने जाएंगे तो हम अपना निर्णय ले सकते हैं। आईपीएल की शुरूआत 19 सितम्बर से गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के मुकाबले से होगी। वहीं राजस्थान की बात करें तो इस टीम का पहला मुकाबला चेन्नई के साथ 22 सितम्बर को शारजाह, यूएई में होगा। राजस्थान टीम में चार धांसू विदेशी खिलाड़ी हैं जिनमें स्टीव स्मिथ, जोफ्रा आर्चर, जोस बटलर और बेन स्टॉक्स का नाम शामिल है। वहीं बाकी के खिलाड़ी कम अनुभवी और एक प्रकार से नए हैं।

र्ल्ड नंबर-1 के यूएस ओपन से डिसक्वालिफाई होने पर नडाल बोले- खुद पर कंट्रोल रखना चाहिए

स्पोर्ट्स डेस्क। इस बार टेनिस ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन में खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे वर्ल्ड नंबर-1 नोवाक जोकोविच डिसक्वालिफाई कर दिए गए थे। उन्होंने प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले में महिला अधिकारी को बॉल मार दी थी, जिस कारण उन्हें बाहर कर दिया गया था। इस पर वर्ल्ड नंबर-2 राफेल नडाल ने दुख जताया है। साथ ही कहा कि जोकोविच जैसे खिलाड़ी को खुद पर कंट्रोल रखना चाहिए। उनके पास सुनहरा मौका था। नडाल ने रोम मास्टर्स टूर्नामेंट में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, ''उसे (जोकोविच) माफ करें। उसके पास अच्छा मौका था। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन यह हमेशा जरूरी है कि आप कोर्ट पर सेल्फ कंट्रोल रखें। आप ऐसा नहीं कर पाते हैं तो आप अनलक्की हैं।'' झुंझलाहट में जोकोविच ने महिला को बॉल मारी थी जोकोविच का प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला स्पेन के पबेले कैरेनो बस्टो से हो रहा था। जोकोविच इसमें पहले सेट में 5-6 से पीछे थे। इसी झुंझलाहट में उन्होंने एक शॉट मारा, जो सीधे महिला अधिकारी की गर्दन में जाकर लगा। इसके बाद मैच रैफरी ने जोकोविच को डिसक्वालिफाई कर दिया था। सर्बियाई प्लेयर टूर्नामेंट के 140 साल के इतिहास में डिसक्वालिफाई होने वाले तीसरे प्लेयर हैं। जोकोविच 17 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले तीसरे प्लेयर टेनिस के इतिहास में स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर ने सबसे ज्यादा 20 और उसके बाद स्पेन के राफेल नडाल ने 19 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। ऐसा 21 साल में पहली बार था, जब यह दोनों दिग्गज यह टूर्नामेंट नहीं खेले रहे थे।

कोविड-19 मामले ने मुझे मानसिक रूप से मजबूत बनाया : हॉकी कप्तान मनप्रीत

बेंगलुरू। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा है कि कोरोना वायरस से उबरते हुए पृथकवास में बिताए तनावपूर्ण समय ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत खिलाड़ी बनाया जो अब मैदान पर किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है। मनप्रीत उन छह हॉकी खिलाड़ियों में शामिल थे जो पिछले महीने राष्ट्रीय शिविर के लिए बेंगलुरू में टीम के ट्रेनिंग केंद्र पर पहुंचने पर कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। कोरोना वायरस से उबरने के बाद मनप्रीत ने व्यक्तिगत सत्र में हिस्सा लेना शुरू कर दिया है और उनका कहना है कि उन्हें बाकी टीम का हिस्सा नहीं होने की कमी खल रही है। हॉकी इंडिया, भारतीय खेल प्राधिकरण और सहयोगी स्टाफ हालांकि खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। कप्तान ने कहा, 'हाकी इंडिया के अधिकारी लगभग रोज पता करने आते हैं कि हमें जो खाना दिया जा रहा है वह सही है या नहीं, हमारा उपचार नियमित रूप से हो रहा है या नहीं, नियमित रूप से हमारे रक्त में आक्सीजन का स्तर जांचा जा रहा है या नहीं। उन्होंने कहा, 'कोचिंग स्टाफ और टीम के साथी भी वीडियो कॉल के जरिए हमारे साथ बात करते हैं। इससे हमें मनोबल बढ़ाए रखने में मदद मिलती है। हालांकि यह थोड़ा कचोटता है कि टीम के हमारे साथी मैदान पर लौट चुके हैं जबकि हम अब भी पृथकवास में है। मुझे लगता है कि इस अनुभव ने मुझे किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए मानसिक रूप से मजबूत बना दिया है। अस्पताल में बिताए समय के संदर्भ में इस स्टार मिडफील्डर ने कहा कि पृथकवास में रहना उनके और बाकी संक्रमित खिलाड़ियों के लिए मानसिक रूप से कड़ा था। उन्होंने कहा, 'यह आसान नहीं था, विशेषकर मानसिक रूप से। मैंने एक महीने से कुछ नहीं किया है और यह एक खिलाड़ी के जीवन में लंबा समय है विशेषकर तब जब आप प्रत्येक दिन सुधार करना मैंने एक महीने से कुछ नहीं किया है और यह एक खिलाड़ी के जीवन में लंबा समय है विशेषकर तब जब आप प्रत्येक दिन सुधार करना और सर्वश्रेष्ठ बनना चाहते हो। मनप्रीत ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो परीक्षण का नतीजा आने पर शुरुआत में हम थोड़े तनाव में थे। लेकिन हमें अस्पताल में सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं मिली।

संक्षिप्त समाचार

देवदत्त पडिक्कल बोले- हमें कई सेशन मिले हैं अब पैर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल का कहना है कि वह अपने खेल के बारे में उतना ही अच्छा महसूस कर रहे हैं जितना वह कोविड-19 लॉकडाउन से पहले करते थे। पडिक्कल आरसीबी की ओर से खेलने उतरेंगे। उनकी टीम लीग का अपना शुरुआती मैच 21 सितंबर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। पैडीकल ने आरसीबी के यूट्यूब चैनल को बताया- जैसा कि हम धीरे-धीरे वापस कर रहे हैं। हमारे पास अच्छे सत्र है और हम अच्छा महसूस कर रहे हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी दोनों में शीर्ष स्कोरिंग होने के कारण कर्नाटक के बाएं हाथ के खिलाड़ी की चर्चा खूब हो गई थी। 20 साल के पडिक्कल ने 175 से अधिक की स्ट्राइक रेट के साथ 12 मैचों में 64 की औसत से रन बनाए थे जिसमें एक शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल थे। पडिक्कल घरेलू क्रिकेट में अपनी बड़ी हिट के लिए जाने जाते हैं, से सीखा जाता है कि उन्होंने कप्तान विराट कोहली और कोच माइक हॉनॉन दोनों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा- पैर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, प्रतिक्रियाएं तेज हो रही हैं। हम क्या कर रहे हैं और हम क्या हासिल करना चाहते हैं, के लक्ष्य बना रहे हैं। हालांकि पडिक्कल ने इस दौरान एक चिंता भी जताई। उन्होंने कहा- संयुक्त अरब अमीरात में मौसम गर्म होगा। हम मौसम के अभ्यस्त हो रहे हैं। मौसम की गति को कम करने के लिए हमारे पास कुछ सत्र चल रहे हैं। हम फिटनेस पर काम कर सकते हैं और इससे हमें बहुत मदद मिलेगी।

आईपीएल के प्रैक्टिस सेशन में हवा में गोता लगाकर कैच लपका

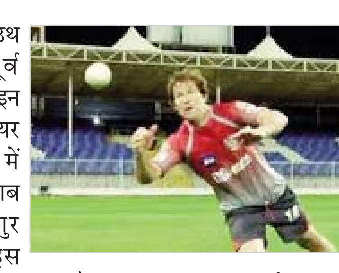

दुबई। साउथ अफ्रीका के पूर्व लीजेंड जोंटी रोड्स इन दिनों इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किंग्स इलेवन पंजाब को फील्डिंग के गुर सिखा रहे हैं। इस दौरान 51 साल के दिग्गज ने प्रैक्टिस सेशन में हवा में गोता लगाकर कैच लपका और कई युवाओं को चौंका दिया। जोंटी का फील्डिंग सिखाते हुए वीडियो फ्रेंचाइजी ने ट्विटर पर शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा- क्या आपने ऐसा कैच पकड़ा है? इस पर कमेंट करते हुए कई यूजर्स ने उनकी तारीफ की। इस बार आईपीएल कोरोना के कारण यूएई में 19 सितंबर से 10 नवंबर तक होना है। किंग्स इलेवन पंजाब का पहला मुकाबला 20 सितंबर को दिल्ली कैपिटल्स के साथ होगा। टीम अब तक खिताब नहीं जीत सकी है। उसने एक बार 2014 में फाइनल खेला है। जोंटी क्रिकेट जगत में बेस्ट फील्डर के तौर पर जाने जाते हैं। उन्होंने 52 टेस्ट में 2532 और 245 वनडे में 5935 रन बनाए हैं। 2003 वर्ल्ड कप के बाद उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

पूर्व भारतीय ओपनर गौतम गंभीर ने की विराट कोहली की आलोचना, कप्तानी पर कही बात

स्पोर्ट्स डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2020 शनिवार से यूएई में शुरू होगा जिसे लेकर सारी तैयारियां हो चुकी हैं। इस बार भी आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली रेडार पर हैं। इसका कारण है कि वह 2016 से आरसीबी के कप्तान हैं लेकिन वैसे परिणाम नहीं पेश कर पाएं हैं जैसे ही आने चाहिए। इस पर अब पूर्व भारतीय ओपनर गौतम गंभीर ने कोहली को आरसीबी कप्तान के रूप में भागीदारी की कमी के लिए कोहली की आलोचना की है। गंभीर ने एक स्पोर्ट्स चैनल से बातचीत के दौरान कहा, पहली बात तो यह है कि विराट कोहली वही हैं जो 2016 से आरसीबी की कप्तानी कर रहे हैं। इसलिए अगर संतुलन पहले नहीं था, तो विराट कोहली को और अधिक ध्यान देना चाहिए था। उन्होंने कहा, मुझे इसके बावजूद लगता है कि आरसीबी की बल्लेबाजी थोड़ी मजबूत है। लेकिन एक बात जो आपको थोड़ी अलग दिखाई देगी वह यह है कि गेंदबाज खुश होंगे क्योंकि उन्हें चिन्नास्वामी स्टेडियम में 7 मैच नहीं खेलने होंगे। पूर्व ओपनर ने कहा, आपको दुबई और अबू धाबी में खेलना है जहां के मैदान बड़े हैं, विकेट्स भी चिन्नास्वामी स्टेडियम की तरह सीधे नहीं मिलेंगे। चिन्नास्वामी के दृष्टिकोण से गेंदबाजों को आंकना हमेशा मुश्किल होता है। गौर हो कि यूएई में होने वाले आईपीएल में इस बार आरसीबी के जीतने की बहुत से पूर्व खिलाड़ियों ने उम्मीद लगाई है। हालांकि देखना ये होगा कि आरसीबी अब किस प्रकार परफार्म करती है।

शीर्ष टीमों के नाम वापिस लेने से थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट स्थगित

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के बीच शीर्ष टीमों के नाम वापिस लेने के कारण विश्व बैडमिंटन महासंघ ने डेनमार्क में होने वाले थॉमस और उबेर कप टूर्नामेंट मंगलवार को अगले साल तक के लिए स्थगित कर दिए। भारत ने तीन से 11 अक्टूबर तक डेरमार्क के आरहस में होने वाले टूर्नामेंट के लिए महिला और पुरूष दोनों टीमों की घोषणा कर दी थी। कोरोना महामारी के कारण हालांकि थाईलैंड, आस्ट्रेलिया, चीनी ताइपै और अल्जीरिया के बाद शुक्रवार को इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया ने भी नाम वापिस ले लिया। महासंघ ने एक बयान में कहा, 'बैडमिंटन विश्व महासंघ मेजबान बैडमिंटन डेनमार्क की सहमति से थॉमस और उबेर कप 2020 स्थगित करने का कठिन फैसला ले रहा है। इसमें कहा गया, 'कई प्रतियोगी टीमों के नाम वापिस लेने के कारण यह फैसला किया गया है। संशोधित बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर के यूरोपीय चरण के कारण अब इसके लिये 2021 से पहले वैकल्पिक कार्यक्रम बनाना भी मुश्किल है। बीडब्ल्यूएफ ने सिंगापुर और हांगकांग को शामिल करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। ऐसी खबरें हैं कि चीन और जापान भी नाम वापिस लेने की सोच रहे थे। भारत की स्टार खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भी ऐसे समय में टूर्नामेंट के आयोजन पर चिंता जताई थी। साइना और पी वी सिंधु महिला टीम की अगुवाई कर रहे थे जबकि पुरूष टीम में दुनिया के पूर्व नंबर महिला टीम की अगुवाई कर रहे थे जबकि पुरूष टीम में दुनिया के पूर्व नंबर महिला टीम की अगुवाई कर रहे थे जबकि पुरूष टीम में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत शामिल थे। बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा कि डेनमार्क ओपन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 13 से 18 अक्टूबर तक ओडेंसे में होगा लेकिन 20 से 25 अक्टूबर तक होने वाला विक्टर डेनमार्क मास्टर्स रद्द कर दिया गया है।

जोफ्रा आर्चर का माइकल होल्डिंग को करारा जवाब, बोले- इंग्लैंड बीएलएम आंदोलन को नहीं भूला है

स्पोर्ट्स डेस्क। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने मैचों से पूर्व एक घुटने के बल बैठकर ब्लैक लाइव्स मैटर (बीएलएम) का सांकेतिक समर्थन नहीं करने के लिए इंग्लैंड की आलोचना की थी जो जोफ्रा आर्चर को नागवार गुजरी जिन्होंने कहा कि उनकी राष्ट्रीय टीम के क्रिकेटर इस आंदोलन को नहीं भूले हैं। आर्चर ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, 'हम नहीं भूले हैं, यहां कोई भी ब्लैक लाइव्स मैटर को नहीं भूला है। मुझे लगता है कि यह माइकल होल्डिंग के लिए थोड़े कड़े शब्द होंगे कि उन्होंने आलोचना करने से पहले कोई शोध नहीं किया। मुझे पूरा विश्वास है कि वह नहीं जानते कि पर्दे के पीछे क्या हो रहा है। इंग्लैंड ने पाकिस्तान और आस्ट्रेलिया के खिलाफ मैचों से पहले ऐसा कोई सांकेतिक समर्थन नहीं किया था जिसकी होल्डिंग ने आलोचना की थी। बीएलएम यानि अश्वेतों का जीवन भी मायने रखता है, एक राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन है जो अश्वेत लोगों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता के विरोध में शुरू हुआ था। बारबडोस में जन्में इस तेज गेंदबाज ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि उन्होंने (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी) टॉम हैरिसन से बात की। मैंने टॉम से बात की और हम इस पर काम कर रहे हैं। आर्चर ने हालांकि इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि उनकी टीम नस्ली भेदभाव को खत्म करने के लिये क्या कर रही है। मैंने टॉम से बात की और हम इस पर काम कर रहे हैं। आर्चर ने हालांकि इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि उनकी टीम नस्ली भेदभाव को खत्म करने के लिये क्या कर रही है।

वार्नर की अगुवाई में अपने दूसरे खिताब की तलाश में हैदराबाद

नई दिल्ली। शानदार शीर्ष क्रम, बेहतरीन स्पिन आक्रमण और डेविड वार्नर जैसा आक्रामक कप्तान । इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे संतुलित सनराइजर्स हैदराबाद एक बार फिर प्लेआफ के चार प्रबल दावेदारों में से होगी। मुंबई इंडियंस या चेन्नई सुपर किंग्स जैसी हाई प्रोफाइल टीम नहीं होने के बाद सनराइजर्स किसी से कम नहीं है क्योंकि उसके पास शानदार कोचिंग स्टाफ है। इसमें ट्रेवर बेलिस (केकेआर के आईपीएल विजेता पूर्व कोच), वीवीएस लक्ष्मण और मुथैया मुरलीधरन जैसे महान पूर्व खिलाड़ी शामिल हैं। कप्तान के रूप में इस सत्र में वापसी करने वाले डेविड वार्नर के रूप में सनराइर्स के पास करिश्माई कप्तान हैजो अपने दम पर मैच जिताने का माद्दा रखता है। चार साल पहले वार्नर की कप्तानी में सनराइजर्स ने खिताब जीता था और वह तीन बार 'आरेंज कैप हासिल कर चुके हैं । पिछले सत्र में जॉनी बेयरस्टॉ और वार्नर ने कई रिकार्ड तोड़े जिनमें आईपीएल के इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी का रिकार्ड शामिल है। दोनों अपने दम पर टीम को नॉकआउट तक ले गए थे। वार्नर ने 12 मैचों में 692 रन बनाये जिसमें आठ अर्धशतक और एक शतक शामिल था। वहीं बेयरस्टॉ ने 10 मैचों में एक शतक और दो अर्धशतक के साथ 445 रन जोड़े। सनराइजर्स के पास भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार जैसा तेज गेंदबाज और अफगानिस्तान के टी20 कप्तान जैसा स्पिनर है। उनके अलावा गेंदबाजी का जिम्मा सिद्धार्थ कौल और शाहबाज नदीम संभालेंगे। सनराइजर्स के बल्लेबाजी क्रम में हालांकि उतनी गहराई नहीं दिख रही।

वार्नर और बेयरस्टॉ के नाकाम रहने पर दारोमदार पूरी तरह से मनीष पांडे और केन विलियमसन पर आ जाएगा। टीम ने बायें हाथ के बल्लेबाज विराट सिंह जैसे युवाओं पर भरोसा किया है शाहबाज नदीम संभालेंगे। सनराइजर्स के बल्लेबाजी क्रम में हालांकि उतनी गहराई नहीं दिख रही। वार्नर और बेयरस्टॉ के नाकाम रहने पर दारोमदार पूरी तरह से मनीष पांडे और केन विलियमसन पर आ जाएगा। टीम ने बायें हाथ के बल्लेबाज विराट सिंह जैसे युवाओं पर भरोसा किया है जिसने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में 343 रन बनाये थे। बल्लेबाजी हरफनमौला अभिषेक शर्मा और भारत के अंडर 19 कप्तान प्रियम गर्ग भी टीम में हैं। टीमः डेविड वार्नर (कप्तान), जॉनी बेयरस्टॉ, केन विलियमसन, मनीष पांडे, श्रीवत्स गोस्वामी, विराट सिंह, हरफनमौला अभिषेक शर्मा और भारत के अंडर 19 कप्तान प्रियम गर्ग भी टीम में हैं। टीमः डेविड वार्नर (कप्तान), जॉनी बेयरस्टॉ, केन विलियमसन, मनीष पांडे, श्रीवत्स गोस्वामी, विराट सिंह, प्रियम गर्ग, रिधिमान साहा, अब्दुल समद, विजय शंकर, मोहम्मद नबी, राशिद खान, मिशेल मार्श, अभिषेक शर्मा, बी संदीप, संजय यादव, फेबियन एलेन, भुवनेश्वर कुमार, खलील अहमद, संदीप शर्मा, शाहबाज नदीम, सिद्धार्थ कौल, बिली स्टानलेक, टी नटराजन, बासिल थम्पी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉलीवुड में ड्रग्स का मुद्दा उठाने पर संजय राउत का कंगना पर हमला, बोले- आरोप लगाने वालों का डोप टेस्ट हो

नई दिल्ली।

बॉलीवुड में ड्रग्स माफियाओं को लेकर सवाल उठाने के मामले में बयानबाजी का दौर अब थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कड़ी में आज शिवसेना सांसद संजय राउत ने समाजवादी पार्टी की सांसद और अभिनेत्री जया बच्चन का समर्थन करते हुए बेबाकी से अपनी बात रखने वाली विवादों में घिरी अभिनेत्री कंगना रनौत पर निशाना साधा है। शिवसेना नेता ने कहा कि जो लोग भी सवाल खड़े कर रहे हैं, पहले उनका ही डोप टेस्ट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कंगना रनौत ने जो बयान दिया है, उसपर बच्चन परिवार जवाब दे सकता है। उन्होंने कहा कि आज जया बच्चन ने राज्यसभा में जो बयान दिया वो बिल्कुल सही है। शिवसेना नेता ने कहा कि कंगना रनौत शिवसेना के आदित्य ठाकरे के बारे में जो भी आरोप लगा रही हैं, उन्हें गृह मंत्रालय, गृह सचिव और एजेंसियों को सबूत देने चाहिए। शिवसेना नेता ने कहा कि जो लोग भी सवाल खड़े कर रहे हैं, पहले उनका ही डोप टेस्ट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी इंडस्ट्री में कुछ बुरे लोग हैं, तो इसका मतलब ये नहीं कि पूरी इंडस्ट्री को ही बदनाम कर दो। फिल्म उद्योग की कथित आलोचना पर नाराजगी जताते हुए समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि देश में किसी भी संकट के दौरान सहायता में कभी पीछे नहीं रहने वाला यह उद्योग सराहना का हकदार है। उन्होंने शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि दुख की बात यह है कि कुछ लोग जिस थाली में खाते हैं, उसी थाली में छेद करते हैं। जया ने कहा कि केवल कुछ लोगों की वजह से आज मनोरंजन उद्योग आलोचना का शिकार हो रहा है जो हर दिन करीब पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष और करीब 50 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार देता है। जया ने कहा कि लाकडाउन के दौरान कुछ ऐसे हालात हुए कि मनोरंजन जगत सोशल मीडिया पर बुरी तरह आलोचना का शिकार होने लगा और उसे गटर कहा जाने लगा। यह सही नहीं है।

ऐसी भाषा पर रोक लगाई जानी चाहिए । उन्होंने कहा, देश पर आने वाले किसी भी संकट के दौरान उसकी सहायता करने में यह उद्योग कभी पीछे नहीं रहा।

केजरीवाल की इस तस्वीर को लेकर सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

नेशनल डेस्क।

दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे डेंगू की रोकथाम के लिए केजरीवाल सरकार ने पिछले दिनों 10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट अभियान की शुरुआत की। इस दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने आवास में जगह-जगह इकट्ठा हुए पानी को फेंक कर साफ पानी से बदला। पौधे को पानी देते हुए केजरीवाल की ऐसी ही दो तस्वीर इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है।

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही तस्वीरों में केजरीवाल अपने घर के पौधे में पानी देते दिखाई दे रहे हैं। पहली नजर में तो यह आम तस्वीर लग रही है, लेकिन कुछ यूजर्स इस पर सवाल उठा रहे हैं। फोटोशॉप एक्सपर्ट कृष्णा ने भी इन दोनों तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा दरअसल पहली तस्वीर में सीएम केजरीवाल जिस तश्तरी पर पौधा रखा है, उस पर पानी गिरा रहे हैं तो वहीं दूसरी तस्वीर में वह तश्तरी के ऊपर रखे पौधे को जग से पानी देते दिख रहे हैं। लोगों को कहना है कि इन तस्वीरों को एडिट किया है लेकिन कुछ का कहना है कि इसमें एडिट करने को कुछ नहीं है, हो सकता है कि केजरीवाल ने पहले तश्तरी को और फिर पौधे को पानी दिया हो। इस तस्वीर की सच्चाई तो कोई नहीं जानता लेकिन इसे लेकर सोशल मीडिया में बहस जरूर छिड़ गई है।

जमानत के लिए उमर खालिद की राह आसान नहीं, दिल्ली दंगों में क्या थी भूमिका?

नई दिल्ली। पूछताछ के बाद जब स्पेशल सेल ने दोबारा से उमर खालिद की कॉल डिटेल सहित उनके सोशल प्लेटफार्म की जांच की तो पता चला कि नार्थ ईस्ट दंगों की शुरुआत पिंजरा तोड़ के साथ उमर खालिद ने की थी। सेल के दावे के मुताबिक जाफराबाद मेट्रो स्टेशन में महिलाओं का धरना समेत कई उग्र भाषण के कई वीडियो खालिद के प्लेटफार्म से भेजे गए थे, जिससे दंगा भड़का था। इस संबध में दिल्ली के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दंगों में इस्तेमाल हथियारों को उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से मंगवाया गया था और खालिद ने पूछताछ में कबूला है कि दंगा करवाने के लिए 5 देसी कट्टे मेरठ से खरीदे गए थे, जिनको 25 हजार रुपए में खरीदा गया था। आरोपी ने बताया कि हथियार खरीदने के लिए ये पैसे कांग्रेस की पूर्व पार्षद इशरत जहां ने उसे दिए थे, जिसके बाद ये हथियार मेरठ से लाए गए थे। उमर खालिद के पिता स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया के सदस्य और वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी से बैचलर्स डिग्री लेने के बाद उमर खालिद ने जेएनयू में दाखिला लिया था। जेएनयू से पीएचडी करने वाले उमर खालिद ने 2016 में पहली बार तब सुर्खियां में आया, जब जेएनयू में संसद हमले के इसी के बाद खालिद समेत तब जेएनयूएसयू के अध्यक्ष कन्हैया कुमार और 7 अन्य स्टूडेंट्स के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का केस दर्ज किया गया।

दल बदलने वाले शिवराज के मंत्री ने भाजपा को जमकर कोसा, कांग्रेस में हो रही किरकिरी

सागर । मध्य प्रदेश में 27 सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए राजनैतिक दल ताबड़तोड़ सभाएं कर रहे हैं। इस दौरान राजनेता पूरे जोश के साथ मैदान में डटे हुए हैं। लेकिन कभी कभी जोश में ऐसी बयानबाजी कर देते हैं जो लोगों में चर्चा का विषय बन जाती है। जिसका ताजा उदाहरण सागर में देखने को मिला। जहां कांग्रेस छोड़ बीजेपी में शामिल हुए मंत्री ने बीजेपी पार्टी पर ही कटाक्ष कर दिया। मंत्री के इन बयान को राजनैतिक गलियारों में अलग अलग मायनों में देखा जा रहा हैं। दरअसल, राम शिला यात्रा समापन के दौरान पत्रकारों से चर्चा करने के दौरान राजस्व व परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत इंदौर के सांवेर में हुई कमलनाथ की सभा, जिसमें कार्यकर्ता भगवा झंडे लिए हुए थे, पर निशाना साध रहे थे। इसी चक्कर में वह अपनी ही पार्टी की फजीहत करवा बैठे। परिवहन मंत्री ने कहा कि भाजपा को नकली राम नाम और भगवा झंडे का सहारा लेना पड़ रहा है पर जनता सब जानती है। बता दें कि गोविंद सिंह राजपूत कांग्रेस छोड़ बीजेपी में शामिल हुए थे और अब पार्टी के सिम्बल पर वह सुरखी विधानसभा का उपचुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

दिल्ली दंगे-दिल्ली विधानसभा समिति की एफबी को आखिरी चेतावनी, पैनल के सामने पेश हों अधिकारी

नेशनल डेस्क।

दिल्ली विधानसभा की शांति व सद्भाव समिति ने दिल्ली दंगों में फेसबुक की भूमिका पर सवाल उठाए थे। समिति फेसबुक इंडिया के उपाध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अजीत मोहन को समन भेजा था और पैनल के सामने पेश होने को कहा गया। हालांकि फेसबुक के अधिकारी मंगलवार को पेश नहीं हुए। फेसबुक की तरफ से इस समन पर जवाब आया कि वे पहले ही इस मामले में संसदीय पैनल के समक्ष पेश हो चुके हैं। वहीं समिति ने कहा कि हेट स्पीच को लेकर हमारी तरफ से फेसबुक को यह आखिरी चेतावनी है कि वो पैनल के सामने पेश हो, इसके बाद एक्शन लिया जाएगा। फेसबुक ने समिति के समन पर लिखित में जवाब दिया कि इसी महीने की शुरुआत में हमारी कंपनी के अधिकारी पैनल के सामने पेश हो चुके हैं और तब भी हमने अपनी बात स्पष्ट की थी इसलिए जो अब समन भेजा गया है उसे वापिस लिया जाए। फेसबुक के लिखित जवाब पर शांति और सौहार्द समिति के अध्यक्ष राघव चड्ढा ने कहा कि यह दिल्ली विधानसभा और दिल्ली के 2 करोड़ लोगों का अपमान है। कमेटी के चेयरमैन राघव चड्ढा की अध्यक्षता वाली शांति व सद्भाव समिति ने फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों के लिए फेसबुक को भी जिम्मेदार ठहराया है। समिति का कहना है कि फेसबुक ने सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के तीखे व समाज में वैमनस्य फैलाने वाले बयानों व लिखित टिप्पणियों को नजरअंदाज किया है।

समिति ने 15 सितंबर को फेसबुक के उपाध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अजीत मोहन को पेश होने को कहा था। चड्ढा ने कहा कि फेसबुक दिल्ली विधानसभा की समिति से भाग रही है, कंपनी कुछ छुपा रही है, ऐसा लगता है जो आरोप दिल्ली दंगों के बारे में फेसबुक पर लगे हैं, शायद वो सही हैं।

कोरोना पॉजिटिव कांग्रेस विधायक का दिल्ली में निधन, पार्टी में शोक की लहर

भोपाल।

मध्य प्रदेश में रागगढ़ जिले के ब्यावरा से 63 वर्षीय कांग्रेस विधायक गोवर्धन दांगी का निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से कोरोना की चपेट में आ गए थे और उनका इलाज दिल्ली के मेदांता अस्पताल में चल रहा था। उनके निधन से कांग्रेस पार्टी में शोक की लहर है। पूर्व सीएम कमलनाथ व दिग्विजय सिंह ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। बता दें कि ब्यावरा से कांग्रेस विधायक गोवर्धन दांगी की पत्नी और बेटी अगस्त में कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। बता दें कि ब्यावरा से कांग्रेस विधायक गोवर्धन दांगी की पत्नी और बेटी अगस्त में कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इसके बाद जांच करवाने पर विधायक गोवर्धन दांगी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। करीब तीन सप्ताह पहले उन्हें इलाज के लिए भोपाल के चिरायु अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। विधायक दांगी की हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें मेदांता में भर्ती करवाया गया था। दिल्ली में इलाज के बाद उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आ गई थी लेकिन वे पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो सके।

उत्तर प्रदेश में संविदा व्यवस्था का प्रस्ताव युवाओं के दर्द को बढ़ाने वाला : प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में समूह ख और ग की नौकरियों के लिए संविदा के आधार पर भर्ती किए जाने के प्रस्ताव को लेकर मंगलवार को प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि सरकार युवाओं के दर्द बढ़ाने की योजना ला रही है। उन्होंने ट्वीट किया, '' संविदा का मतलब नौकरियों से सम्मान विदा। 5 साल की संविदा का मतलब युवा अपमान कानून। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने पहले भी इस तरह के कानून पर अपनी तीखी टिप्पणी की है। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका ने कहा, '' इस लगाकर दर्द बढ़ाने की योजना ला रही है। व्यवस्था को लाने का उद्देश्य क्या है? सरकार युवाओं के दर्द पर मरहम न लगाकर दर्द बढ़ाने की योजना ला रही है। खबरों में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार के नए प्रस्ताव के अनुसार, प्रदेश में समूह ख और ग की नई भर्तियां अब संविदा के आधार पर होंगी, जिन्हें 5 वर्ष में हुए मूल्यांकन के आधार पर नियमित किया जाएगा।

राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाली फिल्म मिथिला मखान इस दिन होगी रिलीज

नई दिल्ली।

बिहार की मैथिली भाषा में बनाई गई फिल्म मिथिला मखान को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। इस फिल्म का निर्देशन नितिन चंद्रा के द्वारा किया गया है। फिल्म में बिहार में बाढ़ और उससे होने वाली त्रासदी को दिखाया गया है। इसमें बाढ़ के बाद पलायन के मुद्दे भी दिखाया गया है। वहीं इस फिल्म को बनाने के पीछे की पूरी कहानी, इससे जुड़े संघर्ष और राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने तक के सफर को नितिन चंद्रा ने साझा किया। निर्देशक नितिन चंद्रा कहते हैं कि बिहार में 2008 के बाढ़ में मैं, नेपाल-बिहार बॉर्डर पर एनजीओ के साथ काम कर रहा था और बाढ़ से हुई त्रासदी ने मन में कई कहानियों को जन्म दिया। मैंने इस समस्या को समझने के लिए एक डॉक्यूमेंटरी फिल्म बनाई थी। तब मैंने अनुभव किया कि बिहार से भारी पलायन होने और जमीनी स्तर पर विकास नहीं होने के कई कारण एक साथ मौजूद हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि वहां जमीनी स्तर पर कोई आजीविका नहीं थी। उत्तर बिहार में बाढ़ का कहर था और उसके बाद रेत से ढकी जमीन, जिस पर खेती नहीं हो सकती। बिहार के किसान देश के हर हिस्से में मजदूर बनने को मजबूर थे। मेरे मन में यह विचार आया कि आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को उनके अपने गांव में नौकरियां कैसे मिले। मैंने 2011 में कहानी/पटकथा लिखी, धीरे-धीरे कहानी विकसित हुई और 3-4 साल तक इसके लिए पैसे ढूंढता रहा, लेकिन दुर्भाग्य से बिहार में कोई नहीं मिला। शुरूआती काम के लिए नितिन चंद्र का साथ उनकी बहन नीतू चंद्र ने दिया और लोकेशन और कास्टिंग का काम शुरू हुआ। साथ में क्राउड फंडिंग भी शुरू हुई लेकिन ये फिल्म बनाने के लिए नाकाफी था। मैं भाग्यशाली था कि सिंगापुर से समीर कुमार जी साथ आए और कुछ अन्य संसाधनों के साथ मैं फिल्म बना सका। आगे बात करते हुए निर्देशक कहते हैं कि इस फिल्म को बनाना एक बहुत बड़ी चुनौती थी।

क्योंकि हम टोरंटो की सर्दियों में शूटिंग करना चाहते थे, लेकिन हमें नहीं पता था कि टोरंटो में सर्दियों का मतलब सामान्य दिनों में -35 से लेकर -10 तक का तापमान होता है। हमने किसी तरह टोरंटो की गलियों में और उनके मेट्रो के अंदर गुरिल्ला शूटिंग की। टोरंटो में बीते वो 7 दिन मेरे दिमाग में हमेशा के लिए छपे रहेंगे। मैं उन सड़कों पर चलता था, जहां सड़क के किनारे बर्फ का कीचड़ होता था। मैं कैमरा मैन जस्टिन चेम्बर्स का शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने फिल्म की शूटिंग की। विश्व प्रसिद्ध नियाग्रा फॉल्स में शूटिंग करना एक अलग अनुभव था। हम आगे की शूटिंग के लिए मई के महीने में बिहार पहुंचे तो वहां का तापमान + 45 डिग्री था। भीषण गर्मी में 22 दिन शूटिंग चली। इस कहानी में हम लोग जो चाहते थे उससे कोई समझौता नहीं किया। शूटिंग नेपाल के भी कुछ हिस्सों में हुई थी। बिहार के दरभंगा के अलावा पटना, सहरसा, सुपौल, मधुबनी और कटिहार में शूटिंग हुई। नीतू चंद्र की वजह से फिल्म में हरिहरन, सोनू निगम, सुरेश वाडकर, सब मैथिली में गाने आए। उत्साहित नितिन कहते हैं कि राष्ट्रीय पुरस्कार एक ऐसी चीज है।

गंगाजल में है कोरोना के खात्मे की ताकत, जल्द होगा ह्यूमन ट्रायल!

नेशनल डेस्क। कोरोना वायरस के कहर के बीच एक अचे छी खबर आई है। कोरोना का इलाज अब गंगा से किया जाएगा। काशी हिन्दू विशे वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सायेंस में हुए रिसर्च में यह बात सामने आई है कि गंगाजल में बड़ी मात्रा में मौजूद बैक्टीरियोफेज (जीवाणुभोजी) कोरोना को खत्म करने की क्षमता रखते हैं। गंगाजल से कोरोना के इलाज के ह्यूमन ट्रायल की तैयारी के बीच इस रिसर्च को इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी के आगामी अंक में जगह मिलने का स्वीकृति पत्र मिला है। बता दें कि भारत समेत दुनियाभर के देश कोरोना वैक्सीन बनाने में जुटे हैं। बीएचयू के डॉक्टर भी कोरोना पर वायरोफेज नाम से रिसर्च में कर रहे हैं। न्यूरोलॉजी विभाग के डॉ. रामेश्वर चौरसिया व प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट प्रो. वी.एन.मिश्रा की अगुवाई वाली टीम ने शुरुआती सर्वे में पाया कि जो लोग नियमित गंगा स्नान और गंगाजल का किसी न किसी रूप में सेवन करते हैं उन पर कोरोना संक्रमण का तनिक भी असर नहीं है। सर्वे करने वाली टीम का दावा है कि गंगा किनारे रहने वाले लेकिन नदी में स्नान करने वाले 90 फीसदी लोग भी कोरोना संक्रमण से बचे हुए हैं। इसी तरह गंगा किनारे के 42 जिलों में कोरोना संक्रमण बाकी शहरों की तुलना में 50 फीसदी कम और संक्रमण के बाद जल्दी ठीक होने वालों की संख्या ज्यादा है। वायरोफेज रिसर्च टीम के लीडर प्रो. वी.एन. मिश्र ने बताया कि स्टडी के साथ ही गोमुख से लेकर गंगा सागर तक सौ स्थानों पर सैंपलिंग कर गंगा के पानी में ए-बायोटिकफेज (ऐसे बैक्टीरियोफेजी जिनकी खोज अब तक किसी बीमारी के इलाज के नहीं हुई है) ज्यादा पाए जाने वाले स्थान को चिन्हित किया गया है। इसके अलावा कोरोना मरीजों की फेज थेरेपी के लिए गंगाजल का नेजल स्प्रे भी तैयार कराया गया है। प्रो. वी. भट्टाचार्या के चेयरमैनशिप वाली 12 सदस्यीय एथिकल कमिटी की मंजूरी के बाद कोरोना मरीजों पर फेज थेरेपी का ट्रायल शुरू होगा।

संक्षिप्त समाचार

मानसून सत्र: संसद में चीन तनाव का मुद्दा, एलएसी पर थोड़ी देर में बयान देंगे राजनाथ सिंह

नेशनल डेस्क। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास भारत और चीनी सैनिकों के बीच जारी गतिरोध को लेकर मंगलवार को संसद में एक बयान दे सकते हैं। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे पर चर्चा कराए जाने की मांग के बीच यह बयान काफी महत्व रखता है। राजनाथ की हाल में मास्को में चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंगहे के साथ मुलाकात हुई थी। कुछ दिन पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर की भी चीन के उनके समकक्ष वांग यी के साथ मुलाकात हुई थी। इस बीच, कैबिनेट और मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की मंगलवार दोपहर वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बैठक हो सकती है। सरकार के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सोमवार से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र में विपक्ष भारत-चीन मुद्दे, कोविड की स्थिति, आर्थिक शिथिलता और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने का कोई मौका छोड़ने के पक्ष में नहीं है।

फैक्ट्री में काम करते मजदूर की मौत

साम्बा । बड़ी ब्राह्मणा के औद्योगिक क्षेत्र में देर रात को एक तेल फैक्ट्री हुए हादसे के दौरान एक युवक की मौत होगई। बताया गया है कि यह युवक किसी मशीन को ठीक करते जख्मी हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान राकेश कुमार पुत्र सूरज राम निवासी बरमीन गुड़ा बडेरा (उधमपुर) के रूप में हुई है। लगभग 28 वर्षीय यह युवक रविवार देर रात को मशीन में फाल्ट आ जाने के कारण मशीनरी को चेक कर रहा था कि अचानक घायल होगया। बाद में उसको फैक्ट्री के स्टाफ द्वारा जीएमसी जम्मू में उपचार के लिए पहुंचाया गया लेकिन उपचार के दौरान उसने अपना दम तोड़ दिया।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी से 35 करोड़ रुपये की हेरोइन के साथ संदिग्ध गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले से 35 करोड़ रुपये मूल्य की सात किलोग्राम हेरोईन के साथ एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार हुआ है। पुलिस ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंदन कोहली ने बताया कि हेरोईन एक मिनी ट्रक में से जब्त की गयी। ट्रक को राजौरी कस्बे के निकट एक जांच चौकी पर पुलिसकर्मियों ने रोका था। एसएसपी ने बताया कि वाहन से बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त हुआ। चालक तारिक अहमद गनी को गिरफ्तार करके उस पर मादक पदार्थ से जुड़े अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया। चालक दक्षिणी कश्मीर के कुलगाम जिले के बाचरो गांव का रहने वाला है। कोहली ने कहा, पुलिस की सतर्कता ने मादक पदार्थ की बड़ी खेप की तस्करी को नाकाम कर दिया। उन्होंने इसी बड़ी सफलता करार दिया। अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है और इस खेप से जुड़े स्रोत का पता लगाया जा रहा है।

जम्मू क्षेत्र में गत आठ महीनों में पाकिस्तान ने 3,186 संघर्षविराम का उल्लंघन किया : सरकार

नयी दिल्ली । सरकार ने कहा कि पिछले आठ महीनों में जम्मू क्षेत्र में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के नजदीक पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन की कुल 3,186 घटनाएं हुई। रक्षा राज्यमंत्री श्रीपद नाइक ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि इसके अलावा एक जनवरी से 31 अगस्त के बीच जम्मू क्षेत्र में अंतराष्ट्रीय सीमा के पास सीमापार से गोलीबारी की 242 घटनायें हुई। उन्होंने कहा कि एक जनवरी से सात सितंबर के बीच जम्मू क्षेत्र में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के नजदीक संघर्ष विराम उल्लंघन की कुल 3,186 घटनाएं हुई। मंत्री ने कहा कि इस साल सात सितंबर तक जम्मू-कश्मीर में सेना के आठ जवान मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। मंत्री ने कहा, संघर्ष विराम उल्लंघन के लिए उचित जवाबी कार्रवाई, भारतीय सेना एवं सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा की गई है। उन्होंने कहा कि युद्धविराम उल्लंघन के सभी मामले हॉटलाइन, फ्लैग मीटिंग और दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच वार्ता के माध्यम से पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ उठाए गए हैं। इस क्षेत्र में कोरोनो वायरस महामारी के बावजूद, पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर अकारण संघर्ष विराम उल्लंघन कर रहा है और कश्मीर में आतंकवादियों को घुसाने के प्रयास कर रहा है। सेना के अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को कश्मीर में घुसपैठ करने में मदद करने के लिए पाकिस्तानी सेना सुरक्षा कवच के रूप में सीमा पर गोलाबारी करती है।

महाराष्ट्र: सड़कों की हालत देखकर शख्स को आया गुस्सा, विरोध जताने के लिए गड्ढो में सोया

नेशनल डेस्क। मराठवाड़ा क्षेत्र के सबसे बड़े शहर औरंगाबाद में सड़कों की दयनीय हालत को देखकर एक शख्स को इतना गुस्सा आया कि उसने अपना विरोध जताने के लिए एक अलग ही तरीका निकाला। सड़कों के बुरे हाल को देखकर एक पुस्तक विक्रेता विरोधस्वरूप गड्ढे में सो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बच्चों को उर्दू और मराठी सिखाने वाले अब्दुल कय्यूम ने कहा कि मानसून के दौरान सड़कों की हालत बद से बदतर हो गई है और प्रशासन लोगों को राहत पहुंचाने के लिए कुछ खास नहीं कर रहा। अब्दुल ने कहा कि मैं पुस्तक विक्रेता हूं और पेशे से उर्दू का अध्यापक हूं। लेकिन मैं समाजसेवा में भी दिलचस्पी रखता हूं। इसलिए मैं औरंगाबाद शहर में सड़कों की जर्जर हालत को बयां करना चाहता हूं। मैंने कई बार लोगों को इन गड्ढों में गिरते देखा है। रविवार को वह शहर की कैसर कॉलोनी में अपने किताबों की दुकान के सामने विरोधस्वरूप एक गड्ढे में सो गए। उन्होंने कि वह कोरोना वायरस महामारी संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन हो रहा है या नहीं, लेकिन दूसरे मामलों में वह हरकत में नहीं आता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कमला हैरिस और हिलेरी क्लिंटन ने जमकर उड़ाया ट्रंप का मजाक

वाशिंगटन।

भारतीय मूल की सीनेटर एवं डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस और 2016 में राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी रही हिलेरी क्लिंटन ने एक कार्यक्रम में 60 लाख डॉलर जुटाए। इस कार्यक्रम में दोनों नेताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मजाक उड़ाया। चंदा जुटाने के लिए हुए इस डिजिटल कार्यक्रम में क्लिंटन ने कहा, मैंने ट्रंप को कभी हंसते हुए नहीं देखा। कभी भी उन्हें अपना मजाक बनाते नहीं देखा। निश्चित तौर पर उनके बाल बनाने के तरीके पर नहीं-- आप को मालूम है कि इसमें मुझे काफी अनुभव है। उनमें हास्य बोध नहीं है। आप जानते हैं कि वह लोगों को गिराना पसंद करते हैं न कि उठाना। हैरिस ने ट्रंप के व्यक्तित्व पर कहा, मैं आप से पूरी तरह से सहमत हूं, हिलेरी। हैरिस ने कहा, उनके बारे में कुछ भी आनंददायक नहीं है। उनके बारे में ऐसा कुछ नहीं है जो आनंद देता हो। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में शर्म की बात है। सब लोगों की जिंदगियों में ऐसा कुछ होता है।

जो उन्हें वास्तविक तौर पर मुस्कुराने की ताकत देता है। क्लिंटन ने कहा कि इस कार्यक्रम में एक लाख से ज्यादा लोगों से 60 लाख डॉलर से अधिक राशि जुटाई गई है। चंदा जुटाने वाले इस कार्यक्रम की मेजबानी अमेरिकी अभिनेत्री, गायिका, कॉमेडियन माया खबीरा रूडोल्फ़ और एमी पोहलर ने की। अपनी टिप्पणी में क्लिंटन ने कैलिफोर्निया, ओरेगन और वाशिंगटन में वनाग्नि का मुद्दा उठाया। साथ में वायु गुणवत्ता का भी मुद्दा उठाया। हैरिस ने पूर्व विदेश मंत्री क्लिंटन को महिलाओं के लिए आदर्श बताया।

इस देश में मास्क नहीं पहने पर मिलेगी अनोखी सजा, खोदनी पड़ेगी कोरोना से मारे गए लोगों की कब्र

लंदन।

विश्वभर में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से दो करोड़ 91 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो गये हैं और 9.27 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 2,91,82,198 लोग संक्रमित हुए हैं और 9,27,015 लोगों की मौत हुई है। वहीं लोग लाखों मौतों के बावजूद कोरोना संक्रमण को लोग गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इसी के चलते इंडोनेशिया ने अपने देश में मास्क न पहनने पर एक बेहद अलग तरह की सजा का ऐलान किया गया है। इंडोनेशिया के ईस्ट जावा प्रांत के प्रशासन ने मास्क न पहनने वाले लोगों को सजा के तौर पर कोरोना वायरस से मरे लोगों की कब्र खोदने का आदेश दिया है। ईस्ट जावा के गेरसिक रीजेंसी के आठ लोगों को मास्क पहनने से इनकार करने के बाद पास के ही नॉबबेटन गांव में एक सार्वजनिक कब्रिस्तान में कब्र खोदने की सजा दी गई। इन लोग किसी मरीज के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सकते हैं। इसी के बाद से कब्र खोदने वाले लोगों को ढूंढना काफी मुश्किल हो गया है। कोर्मे जिला के प्रमुख स्यूनो ने बताया कि हमारे पास कब्र खोदने वाले लोगों की कमी है इसलिए नियम तोडऩे वाले लोगों को कब्र खोदने के काम में लगाया जा रहा है। इसी के साथ ही उन्होंने आशा जताई कि इस सजा से भविष्य में लोग मास्क न पहनने की गलती नहीं करेंगे। वहीं आपको बतां दे कि ब्राजील में अब तक 43,45,610 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 1,32,006 लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 10,64,438 पहुंच गई हैं तथा 18,573 लोगों ने जान गंवाई है। पेरू में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यह कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 7,29,619 लोग संक्रमित हुए हैं और 30,710 लोगों की मौत हो चुकी है।

ट्रंप की मौजूदगी में इजराइल, यूएई व बहरीन ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे

वाशिंगटन।

व्हाइट हाउस पश्चिम एशिया के दो अहम मुस्लिम देशों संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) एवं बहरीन के साथ इजराइल के राजनयिक संबंधों को स्थापित करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर के कार्यक्रम की मेजबानी मंगलवार को करेगा। यह चुनावी साल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक उल्लेखनीय कूटनीतिक उपलब्धि है। यूएई और बहरीन के प्रतिनिधि व्हाइट में ट्रंप की मौजूदगी में इजराइल के साथ ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। ट्रंप ने रिश्तों को सामान्य करने के लिए अगस्त में यूएई तथा इजराइल के बीच ऐतिहासिक समझौता कराने के लिए बातचीत कराई थी। पिछले हफ्ते ट्रंप ने एलान किया था कि बहरीन भी रिश्तों को सामान्य करने के लिए इजराइल के साथ एक समझौते तक पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यह समारोह क्षेत्र में शांति की दिशा में एक नये युग की शुरुआत करेगा। ऐतिहासिक समझौते की पूर्वसंध्या पर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ने पत्रकारों से कहा कि यूएई और इजराइल के नुमांइदे तथा बहरीन एवं इजराइल के प्रतिनिधि अपने-अपने दस्तावेजों पर दस्तख्त करेंगे। यह ऐतिहासिक समझौता कराने में राष्ट्रपति के सलाहकार एवं दामाद जारेड कुशनर ने अहम भूमिका निभाई है। यूएई और बहरीन के नेताओं से फोन पर बात करने के बाद ट्रंप ने खुद दोनों समझौतों की घोषणा की है। 13 अगस्त को इजराइल-यूएई समझौते की घोषणा की गई थी जबकि इजराइल बहरीन समझौते का ऐलान पिछले हफ्ते किया गया है।

प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, यूएई के वली अहद (उत्तराधिकारी) के भाई एवं देश के विदेश मंत्री कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

पाक आर्मी चीफ बाजवा ने अमेरिका के विशिष्ट प्रतिनिधि से की मुलाकात

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बजवा ने अफगान समझौते के विशिष्ट अमेरिकी प्रतिनिधि जलमे खलीलजाद से रावलपिंडी में सोमवार को अफगान शांति प्रक्रिया से संबंधित मुद्दों पर बातचीत की। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि अफगानिस्तान में युद्ध को समाप्त करने और आगामी राजनीतिक व्यवस्था की योजना बनाने के उद्देश्य से कतर में अंतर-अफगान वार्ता की शुरुआत के बाद श्री खलीलजाद पाकिस्तान पहुंचे। सेना के एक बयान में बताया गया है कि रावलपिंडी में सेना मुख्यालय में बैठक के दौरान आपसी हित, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगान शांति प्रक्रिया जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

बयान में श्री बाजवा के हवाले से कहा गया कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने क्षेत्र में शांति और संचार के बारे में स्पष्ट राय रखी है और राष्ट्रीय ताकतें उसी अमलीजामा पहनाने की तैयारी में एकजुट हैं। अमेरिकी दूतावास ने इस्लामाबाद में अपने बयान में कहा कि खलीलजाद ने अफगान शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका के लिए पाकिस्तान को धन्यवाद दिया।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने भारतीय महिला को व्हाइट हाउस में नाटकीय अंदाज में दी अमेरिकी नागरिकता

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के दौरान कानूनी आव्रजन के प्रति अपना समर्थन दिखाने के लिए नाटकीय अंदाज में एक भारतीय महिला का 'नागरिकों के महान अमेरिकी परिवार' में स्वागत किया। ट्रंप ने मंगलवार को सुंदरी नारायणन के एक अमेरिकी नागरिक के रूप में शपथ लेने के बाद उन्हें 'एक प्रतिभाशाली सॉफ्टवेयर डिवेलपर' के रूप में पेश किया। ट्रंप ने कहा कि सुंदरी नारायणन अमेरिका में बीते 13 सालों से रह रही हैं और उनके परिवार में उनके पति और दो खूबसूरत और प्यारे बच्चे हैं। ट्रंप ने उनकी ओर सिर घुमाकर पूछा, वे आपके जीवन की बेशकीमती चीज हैं, सही कहा? इस पर नारायणन ने 'हां' में सिर हिलाया। सुनहरे बॉर्डर वाले हल्के गुलाबी रंग की साड़ी पहने सुंदरी नारायणन ने समारोह में रंग भर दिया। वहीं, उनके साथ होमलैंड सिक्यॉरिटी सेक्रटरी चाड वुल्फ ने सूडान की एक पशुचिकित्सक, जिन्होंने हिजाब पहना था, सहित चार अन्य लोगों को पद की शपथ दिलाई। अन्य तीन बोलिविया, लेबनान और घाना के थे। उन्होंने बहुसांस्कृतिक मिश्रित कार्यक्रम के माध्यम से अमेरिका के बदलते चेहरे को दिखाया, जिसमें दुनियाभर के विभिन्न धर्मों के अश्वेत प्रवासी भी थे। डेमोक्रेट्स और आव्रजन कार्यकर्ताओं की आलोचना का शिकार होने के बावजूद राष्ट्रपति भिन्नताओं को सशक्त बनाने और कानूनी छूट के लिए अपना समर्थन दिखाने के लिए कार्यक्रम का इस्तेमाल कर रहे थे। कानूनी रूप से अमेरिका में आने और नागरिकता प्राप्त करने के नियमों का पालन करने को लेकर उन्होंने कहा, आपने नियमों का पालन किया,।

ग्रीनलैंड बर्फ के पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूटा

इंटरनेशनल डेस्क। ग्रीनलैंड में स्थित बर्फ के पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा उत्तरी-पूर्वी आर्कटिक में टूट गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन का साक्ष्य है। नेशनल जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ डेनमार्क एंड ग्रीनलैंड ने सोमवार को बताया कि हिमनद का जो हिस्सा टूटा है वह 110 वर्ग किलोमीटर बड़ा है। यह एक बड़े पहाड़ से टूटा है जो करीब 80 किलोमीटर लंबा और 20 किलोमीटर चौड़ा है। हिमनद उत्तरी-पूर्वी ग्रीनलैंड आइस स्ट्रीम के अंत में है, जहां से वह जमीन से समुद्र में प्रवेश करेगा। जीईयूएस नामक सर्वेक्षण के अनुसार, उत्तरी-पूर्वी ग्रीनलैंड में स्थित आर्कटिक के सबसे बड़े बर्फ के पहाड़ के पिघलने की वार्षिक दर पर ऑप्टिकल सेटेलाइट इमेजरी (उपग्रह से ली जाने वाली तस्वीरें) की मदद से नजर रखी जाता है। 1999 से अभी तक इस पहाड़ से 160 वर्ग किलोमीटर का हिमनद टूट चुका है जो न्यूयॉर्क में मैनहाटन के क्षेत्रफल से दोगुना है। जीईयूएस के प्रोफेसर जेसन बॉक्स का कहना है कि आर्कटिक के सबसे बड़े बर्फ के पहाड़ के यूं लगातार पिघलने से हम सभी को चिंतित होना चाहिए।

अमेरिकी अदालत ने 4 देशों के प्रवासियों को निष्कासित करने को दी मंजूरी

लॉस एंजलिस। अमेरिका की नौवीं सर्किट अपील अदालत ने सूडान, निकारागुआ, हैती और अल सल्वाडोर के अवैध प्रवासियों को देश के निकालने के ट्रंप प्रशासन के फैसले को मंजूरी प्रदान कर दी है। ट्रंप प्रशासन ने अस्थायी संरक्षित स्थिति को समाप्त कर इन देशों के अवैध प्रवासियों को देश से बाहर करने का फैसला लिया था, जिस पर सैन फ्रांसिस्को की अदालत ने रोक लगा दी थी। अमेरिकी सरकार ने इस संबंध में जिला अदालत के निर्देश को अपील अदालत में चुनौती दी थी। सरकार ने अपनी अपील में कहा था कि जिला अदालत ने इस संबंध में विवेक पूर्ण निर्देश जारी नहीं किया है। अपील अदालत ने सोमवार को अपना फैसला सुनाते हु कहा, हमने टीपीएस कानून को पढ़ा है और उसके आधार पर हमने अमेरिकी मनोवैज्ञानिक संगठन के इस संबंध में न्यायिक समीक्षा करने की अपील को खारिज करते हैं। हमारा मानना है वादी इस संबंध में उठे गंभीर प्रश्नों को लेकर अपने पक्ष में साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल साबित हुआ है। इसलिए , हम जिला अदालत के पूर्व के फैसले को रद्द करते हैं। उल्लेखनी है कि सैन फ्रांसिस्को की अदालत ने 2018 में इन चारों देशों के अवैध प्रवासियों को देश से निकालने के ट्र्म्प प्रशासन के फैसले पर रोक लगा दी थी।

पाकिस्तान में पांच महीनों बाद स्कूल-कॉलेज फिर से खोले गए

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में संक्रमण के मामलों में गिरावट को देखते हुए लगभग पांच महीनों के अंतराल के बाद मंगलवार को चरणबद्ध तरीके से स्कूल-कॉलेज फिर से खुलने शुरू हो गए। अधिकारियों ने कहा कि हाई स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय 15 सितंबर को फिर से खुल गए, जबकि कक्षा छह से आठवीं तक की कक्षाएं 23 सितंबर से शुरू होगी और प्राथमिक विद्यालय 30 सितंबर से शुरू होंगे। स्वास्थ्य संबंधित दिशानिर्देशों के अनुसार, एक कक्षा में 20 या उससे कम छात्रों को बैठाया जा सकता है। छात्रों को समूहों में विभाजित किया गया है और वे एक दिन छोड़कर स्कूल आएंगे। शिक्षकों और छात्रों के लिए मास्क लगाना अनिवार्य है। संस्थान प्रवेश द्वारों पर हाथ धोने की सुविधा और सेनेटाइजर की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। कोरोना वायरस महामारी के बाद 16 मार्च को पाकिस्तान में सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद कर दिया गया था। इसके अलावा सभी वार्षिक परीक्षाओं को भी रद्द कर दिया गया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार पाकिस्तान में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 404 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर सोमवार को 3,02,424 हो गयी है।

चीन का ऐलानः कोरोना वैक्सीन के परिणाम सफल, नवंबर से आम लोगों को भी मिलेगी

बीजिंग।

कोरोना वायरस वैक्सीन को लेकर रूस के बाद अब चीन ने दावा किया है कि उसकी वैक्सीन अंतिम चरण में है और नवंबर से आम लोगों के लिए उपलब्ध करा दी जाएगी। चाइना सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने एक बयान जारी कर सोमवार को कहा कि हम सफलता के बेहद नजदीक हैं और नवंबर के शुरुआती हफ्तों में ही आम लोगों को कोरोना वैक्सीन मिलने लगेगी। इससे पहले खबर आई थी कि चीन की वैक्सीन एक लाख लोगों पर परीक्षण के बाद भी सुरक्षित साबित हुई है।चाइना नेशनल बायोटेक ग्रुप ने अपनी कोरोना वायरस वैक्सीन को सुरक्षित और प्रभावी बताया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि अभी तक जिन लोगों को इस वैक्सीन के दोनों टीके लगाए जा चुके हैं उनमें किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं दिखा है। कंपनी ने अपने आधिकारिक वीचैट अकाउंट पर कहा कि अभी तक इस वैक्सीन की डोज लगभग 1 लाख लोगों को दी जा चुकी है। चीन ने तत्काल उपयोग के लिए कोरोना वायरस के तीन वैक्सीन को मंजूरी दी है। इनमें से दो को चाइना नेशनल बायोटेक ग्रुप ने विकसित किया है। चीन ने बताया है कि इसके यहां विकसित की जा रहीं तीन वैक्सीन ऐसी हैं जो कि अपने अंतिम चरण में हैं, साथ ही इनकी टेस्टिंग के नतीजे भी काफी प्रभावशाली हैं। इन तीनों को ही मूलभूत सुविधाओं से जुड़े लोगों पर आजमाया जा चुका है और ये सफल साबित हुई हैं। इन वैक्सीन को फेज-3 ह्यूमन ट्रायल से पहले जुलाई में ही कई एसेंशियल वर्कर्स पर इस्तेमाल करके देखा जा चुका है। चीफ गुईझेन वू ने बताया कि नवंबर में ये वैक्सीन आम जनता के हाथ में होगी। वू ने कहा कि मैंने खुद वैक्सीन का टीका ले लिया है और किसी भी तरह की परेशानी या असामान्य लक्षण महसूस नहीं कर रही हूं। ये वैक्सीन चाइना नेशनल फार्मास्यूटिकल ग्रुप और सिनोवैक बायोटेक ने मिलकर तैयार की है।

पाकिस्तानी संसद ने कुलभूषण जाधव संबंधी विधेयक की अवधि 4 महीने बढ़ाई

इस्लामाबाद।

कुलभूषण जाधव मामले में एक बार फिर पाकिस्तान का नापाक चेहरा बेनकाब हो गया है। अब नया दाव खेलते हुए पाकिस्तान की संसद ने उस अध्यादेश की अवधि चार महीने बढ़ा दी है जो भारतीय कैदी कुलभूषण जाधव को अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ किसी उच्च न्यायालय में एक अपील दायर करने की इजाजत देती है। 'डॉन न्यूज% की खबर के अनुसार गत मई में जारी अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (समीक्षा एवं पुनर्विचार) अध्यादेश की अवधि 17 सितम्बर को समाप्त होने वाली थी लेकिन कौमी असेंबली ने सोमवार को ध्वनिमत से इसकी अवधि चार महीने बढ़ा दी। यह अध्यादेश अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के उस फैसले को लागू करने के लिए जारी किया गया था जिसमें पाकिस्तान से कहा गया था कि वह जाधव को एक सैन्य अदालत द्वारा सुनायी गई सजा की एक प्रभावी समीक्षा मुहैया कराए। भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी जाधव (50) को एक पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने ''जासूसी और आतंकवाद%% के आरोपों में अप्रैल 2017 में मौत की सजा सुनायी थी। पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय से अदालत में जाधव का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक वकील नियुक्त करने का अनुरोध किया है। अदालत ने गत तीन सितम्बर को मामले की सुनवायी दूसरी बार की और संघीय सरकार को निर्देश दिया कि वह भारत को जाधव का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक वकील नियुक्त करने का ''एक और मौका दे। पाकिस्तान ने गत सप्ताह कहा था कि उसने अदालत में जाधव का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकील नियुक्त करने को लेकर न्यायिक आदेशों से भारत को अवगत करा दिया है लेकिन नयी दिल्ली ने कोई जवाब नहीं दिया है। गत 16 जुलाई को, पाकिस्तान ने जाधव को राजनयिक पहुंच प्रदान की थी लेकिन भारत सरकार ने कहा कि उक्त पहुंच ''न तो सार्थक है और न ही विश्वसनीय और वह (जाधव) तनाव में दिखाई दिये। आईसीजे के फैसले का उल्लंघन कर रहा है, बल्कि अपने अध्यादेश का भी। भारत ने कहा कि पाकिस्तान न केवल आईसीजे के फैसले का उल्लंघन कर रहा है, बल्कि अपने अध्यादेश का भी। भारत ने जाधव को राजनयिक पहुंच से इनकार करने और मौत की सजा को चुनौती देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ आईसीजे से संपर्क किया था। हेग स्थित आईसीजे ने पिछले साल जुलाई में फैसला सुनाया था कि पाकिस्तान को जाधव की दोषसिद्धि और सजा की ''प्रभावी समीक्षा और पुनर्विचार करना चाहिए और साथ ही बिना किसी और देरी के भारत को राजनयिक पहुंच प्रदान करनी चाहिए। पाकिस्तान का दावा है कि उसके सुरक्षा बलों ने जाधव को तीन मार्च, 2016 को ईरान से कथित तौर पर घुसने के बाद बलूचिस्तान प्रांत से गिरफ्तार किया था। भारत का कहना है कि जाधव को ईरान से अगवा किया गया था जहां नौसेना से सेवानिवृत्त होने के बाद उनके व्यापारिक हित थे।

हैरिस, क्लिंटन ने जुटाए 60 लाख डॉलर, ट्रंप का मजाक उड़ाया

वाशिंगटन। भारतीय मूल की सीनेटर एवं डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस और 2016 में राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी रही हिलेरी क्लिंटन ने एक कार्यक्रम में 60 लाख डॉलर जुटाए। इस कार्यक्रम में दोनों नेताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मजाक उड़ाया। चंदा जुटाने के लिए हुए इस डिजिटल कार्यक्रम में क्लिंटन ने कहा, मैंने उन्हें (ट्रंप को) कभी हंसते हुए नहीं देखा। कभी भी उन्हें अपना मजाक बनाते नहीं देखा। निश्चित तौर पर उनके बाल बनाने के तरीके पर नहीं-- आप को मालूम है कि इसमें मुझे काफी अनुभव है। उनमें हास्य बोध नहीं है। आप जानते हैं कि वह लोगों को गिराना पसंद करते हैं न कि उठाना। हैरिस ने ट्रंप के व्यक्तित्व पर कहा, मैं आप से पूरी तरह से सहमत हूं, हिलेरी। हैरिस ने कहा, उनके बारे में कुछ भी आनंददायक नहीं है। उनके बारे में ऐसा कुछ नहीं है जो आनंद देता हो।उन्होंने कहा कि यह वास्तव में शर्म की बात है। सब लोगों की जिंदगियों में ऐसा कुछ होता है जो उन्हें वास्तविक तौर पर मुस्कुराने की ताकत देता है। क्लिंटन ने कहा कि इस कार्यक्रम में एक लाख से ज्यादा लोगों से 60 लाख डॉलर से अधिक राशि जुटाई गई है। चंदा जुटाने वाले इस कार्यक्रम की मेजबानी अमेरिकी अभिनेत्री, गायिका, कॉमेडियन माया खबीरा रूडोल्फ़ और एमी पोहलर ने की। अपनी टिप्पणी में क्लिंटन ने कैलिफोर्निया, ओरेगन और वाशिंगटन में वनाग्नि का मुद्दा उठाया। साथ में वायु गुणवत्ता का भी मुद्दा उठाया। हैरिस ने पूर्व विदेश मंत्री क्लिंटन को महिलाओं के लिए आदर्श बताया। ओरेगन और वाशिंगटन में वनाग्नि का मुद्दा उठाया। साथ में वायु गुणवत्ता का भी मुद्दा उठाया। हैरिस ने पूर्व विदेश मंत्री क्लिंटन को महिलाओं के लिए आदर्श बताया।

बिल गेट्स को उम्मीदः अगले साल मिल जाएगी कोरोना वैक्सीन, भारत का सहयोग महत्वपूर्ण

इंटरनेशनल डेस्क।

दुनिया के सबसे अमीरों में से एक माइक्रोसॉफ्ट के सहसंस्थापक बिल गेट्स ने उम्मीद जताई है कि अगले साल यानी 2021 के पहले क्वार्टर में ही कोरोना की वैक्सीन भारत में उपलब्ध हो जाएगी। एक समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में गेट्स ने कहा, अगले वर्ष की पहली तिमाही तक कोविड-19 के कई वैक्सीन्स लास्ट फेज में होंगी। गेट्स ने कहा कि वह इसे लेकर काफी आशांवित हैं लेकिन इसकी सफलता में भारत के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष की पहली तिमाही तक कोरोना के कई टीके अंतिम चरण में होंगे। गेट्स ने वैक्सीन उत्पादन में भारत का महत्व बताते हुए कहा कि भारत एक प्रमुख टीका उत्पादक देश है और कोविड-19 टीके के उत्पादन को लेकर हमें भारत के सहयोग की जरूरत है। गेट्स ने कहा है कि सभी चाहते हैं जल्द से जल्द भारत में सुरक्षित और प्रभावी वैक्सीन आ जाए। गेट्स ने कहा कि एक बार यह पता चल जाए कि यह बहुत प्रभावी और बहुत सुरक्षित है ताकि इसके बा जल्दी हो सके टीका मिल सके। बता दें कि इससे पहले बिल गेट्स ने कहा था कि 'कोविड-19 महामारी आने के पहले ही हम फेल हो चुके थे। यही वजह है कि संक्रमण के आगे हम टिक नहीं पाए। गेट्स ने कहा था कि हम महामारी की प्रकृति को पूरी तरह समझ नहीं सके। कोरोना से लड़ाई में द. कोरिया और वियतनाम जैसे देशों ने मुस्तैदी का परिचय दिया। वहीं, चीन, जहां से महामारी पनपी, उसने शुरू में ही गलती कर दी। वहीं, चीन, जहां से महामारी पनपी, उसने शुरू में ही गलती कर दी। एशिया ने यूरोप-अमेरिका की तुलना में संक्रमण पर जल्द काबू पा लिया। हालांकि, भारत और पाकिस्तान अभी खतरे में हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चोरी के नावालिग आरोपी को अवैध असलाहा फैक्ट्री का संचालक बताकर जेल भेजने के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस चौकी का घेराव कर अन्याय के खिलाफ नारेबाजी कर किया प्रदर्शन

ललितपुर(एजेंसी) जहां एक और प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ पुलिस की छवि सुधारने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं और जिसके चलते भ्रष्ट और गैर जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ लगातार कार्यवाही कर उन्हें सस्पेंड कर रहे हैं । यहां तक कि कई थानेदारों की नौकरी पर तलवार लटक रही है तो कई एसपी तो जेल तक जा चुके हैं। तो वहीं दूसरी ओर जनपद पुलिस के आला अधिकारियों के गैर जिम्मेदाराना रवैये की पोल उस समय खुलकर सामने आई जब ग्रामीणों ने पुलिस चौकी का घेराव किया और पुलिस पर फर्जी असलहा फैक्ट्री में एक नावालिग ग्रामीण को साजिश के तहत फसाने के गंभीर आरोप लगाए। हाल ही में ताजा मामला जनपद के थाना जखौरा क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस चौकी बांसी का है। जहां स्थानीय कस्बा के निवासियों ने पुलिस चौकी का घेराव किया और पुलिस की कार्यप्रणाली को संदिग्ध बताते हुए पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों के आक्रोश को देखकर तैनात दरोगा ओमकार सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मियों के हाथ पांव फूल गए और वह वहां से भाग खड़े हुए। मामला था शनिवार को पुलिस अधीक्षक कैप्टन एमएम बेग द्वारा किए गए असलहा फैक्ट्री के खुलासे से संबंधित । जिसमें एसपी ने खुलासा करते हुए रवि नामक नावालिग ग्रामीण युवक को अवैध असला फैक्ट्री का संचालक बताते करते हुए उसके पास से कई पूर्ण निर्मित अर्ध निर्मित देसी तमंचा के साथ बंदूक बनाने के सामान की बरामदगी दिखाई थी । जिसमें पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मियों की पीठ थपथपाई और उन्हें 15 हजार का पुरस्कार भी देने की घोषणा की थी। शायद तब उन्हें यह मालूम नहीं था कि यह फर्जी खुलासा पुलिस द्वारा चोरी के आरोपी ग्रामीण को फर्जी तरीके से फंसाकर किया जा रहा है।

बताते चलें कि गत 12 सितम्बर को थाना जखौरा की पुलिस चौकी बांसी की पुलिस ने कस्बा बांसी के मुहल्ला टकीपुरा निवासी मोहली हल्ला वासियों में पुलिस के खिलाफ आक्रोश भडकने लगा और सोमवार की शाम ग्रामीणों यह आक्रोश सड़क पर आ गया । बूढे से लेकर बच्चे तक पुलिस चौकी पंहुचे और पुलिस की मनमानी नहीं चलेगी, पुलिस का अन्याय नहीं सहेंगे के नारे लगाते हुए आक्रोश व्यक्त कर पुलिस चौकी का घेराव किया। ग्रामीणों का आक्रोश देख पुलिस चौकी में तैनात दरोगा ओमकार सिंह के साथ पुलिसकर्मी मौके से भाग खड़े हुए ।ग्रामीणों का आरोप था कि पुलिस अपराधियों को पकड़ने में अस्मर्थ है इसलिए बेगुनाहों को फंसाकर अपराधियों को बचाने और नये अपराधी बनाने का अन्याय कर रही है। जिस रवि को पुलिस ने तंमचा अवैध फैक्ट्ररी का संचालक बताया है वह चोरी के मामले में पकड़ा गया था। रवि नावालिग और बेहद गरीब है उसका पिता के अलावा उसका कोई नहीं इसी का फायदा उठाकर पुलिस ने शासन स्तर पर गुडबिल बनाने के लिए उसे इस मामले में फंसाकर अपनी पीठ थपथपाई है। रवि ने मुहल्ले के ही प्रदीप गोस्वामी के यहां चोरी की थी, प्रदीप ने भी चौकी में मुहल्ले वालों के बीच कहा कि उनके यहां चोरी हुयी थी जिसकी लिखित शिकायत उन्होंने चौकी बांसी मे अज्ञात चोर के खिलाफ 9 सितम्बर को की गयी थी और 10 सितम्बर को उसे सुराग मिला की मुहल्ले के ही रवि ने उसकी चोरी की है। तो उसने रवि के घर पंहुचर रवि से पूंछा तो रवि ने उसका मोबाइल और रुपये उसे लौटा दिये । इसलिए उसने 10 सितम्बर को रवि को मोबाइल एवं रुपये सहित पुलिस को सौंप दिये थे ताकि पुलिस कार्यवाही कर सके। उसका चोरी का सामान अभी भी पुलिस में है पुलिस ने चोरी की जगह रवि को तमंचा की अवैध फैक्ट्ररी का संचालक बता

वाले के पुत्र रवि को अबैध असलहा फैक्ट्री का संचालक बताते हुए उसके पास से तीन तमंचा, एक अध बना तमंचा सहित तमंचा बनाने की सामग्री पकड़े जाने का मामला प्रकाश में लाते हुए तमंचा की अवैध फैक्टरी पकड़ने का दावा करते हुए पकड़े गये युवक को जेल भेज दिया था। यह समाचार जब समाचार पत्रों एवं शोसल मीडिया पर यह खबर आने से टंकीपुरा मु. दिया समाचार पत्रों में यह खबर आने से वह भी हतप्रद है। बांसी पुलिस चौकी में ही तैनात एक पुलिस वाले ने 13 अगस्त को एक बुजुर्ग व्यक्ति के साथ मारपीट करके छह हजार रुपये छीन लेने के मामले में अभी कार्यवाही चल रही है और इस दूसरे मामले में पुलिस चौकी बांसी फिर घिर गयी है । मामला अब उच्चाधिकारियों के पाले में है गरीब को न्याय की अपेक्षा है।

'क्रांति समय मे प्रकाशित खबर का असर गांव में आयोजित हुआ स्वास्थ कैम्प'

खंडविकास अधिकारी ने किया गांव का निरीक्षण

गंदगी देख दिया दो दिन का अल्टीमेटम खूंटा जानवर रोड से दूर बॉधने

कानपुर(घाटमपुर),साढ़ थाना क्षेत्र के नेवादा उजागर गांव में फैली बीमारी को लेकर आज के अंक में क्रांति समय दैनिक ने प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था जिसको स्वास्थ्य विभाग में इन्हें संज्ञान में लेते हुए आज नवादा गांव में स्वास्थ्य कैंप का

आयोजन किया कैंप में कुल 36 जांच की गई जिसमें की जो लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए लोगों को होम क्वारंटाइन का निर्देश दिया गया सूत्रों के अनुसार पॉजिटिव पाए गए दोनों व्यक्तियों ने स्वास्थ्य टीम द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किया दूसरी तरफ खंड विकास अधिकारी सौरभ बरनवाल ने गांव का दौरा कर स्वास्थ्य कैंप का निरीक्षण किया तथा गांव में गली गली भ्रमण कर स्वच्छता आज की जांच की गांव में गंदगी देख खंड विकास अधिकारी गुस्से से आगबबूला हो गए उन्होंने तत्काल सफाई कर्मियों की टीम लगाकर गांव में सफाई अभियान चालू कराया तथा मुनादी कराकर रोड में बंद रहे जानवरों को रोड में ना बांधने का निर्देश देते हुए।

2 दिन का समय दिया साथ ही पूरे गांव में दवा का छिड़काव कराया गया

लोगों मे दिख रहा आशियाना खोने का डर

शुक्लांगज,उन्नाव कोर्ट के आदेश पर रेलवे ट्रैक के किनारे झुग्गी झोपडी हटाने के निर्देश जारी हुये हैं। जिस कारण गंगाघाट रेलवे स्टेशन के पीछे

रेलवे की जमीन पर पिछले चार दशकों से राजीव नगर बस्ती बसी हुईं है। रेलवे अपनी जमीन खाली कराने के लिये शनिवार को अनाधिकृत राजीव नगर बस्ती में नोटिसें चस्पा की थी। जिसके बाद वहां के लोग दहशत में हैं। यह भी कह रहे हैं कि आशियान नहीं छोडेंगे, कुछ भी हो जाये ।

राजीव नगर बस्ती लगभग चार दशक से भी अधिक समय से बसी हुई है। पहले कुछ लोगों ने मकान बना लिए और रहने लगे, धोरे धीरे लगभग डेढ दो हजार मकान बन गए, स्टेशन के ठीक पीछे बस्ती बसती गई और विभाग ने रोका नहीं ।

शनिवार को सीनियर सेक्शन इंजीनियरिंग वर्क्स लखनऊ मंडल के निर्देश पर आईओडढल्यू शैलेन्द्र कुंमार और आरपीएफ के साथ राजीव नगर बस्ती में बीस सितंबर तक कब्जे हटाने की नोटिस चसपा की गई है, न हटाने पर अगले ही दिन है बलपूर्वक बस्ती को हटवाने का फरमान जारी किया गया है। वहीं नोटिस मिलने के बाद बस्ती के लोग एक हो गये हें लेकिन उनका कहना है किं 40 45 साल से रह रहे हैं। अब अचानक गिराने का फरमान जारी किया गया है। जहां एक ओर बस्ती में रहने वाले गरीब लोगों में अपने आशियाने खोने का डर है, लेकिन उनका कहना यह भी है कि किसी भी स्थिति में वह अपने आशियाने नहीं छोडेंगे।

उनका कहना यह भी है कि बीते चालीस वर्षो से निवास करने पर किसी मे हस्तक्षेप नही किया और पालिका गंगाघाट ने कई निर्माण कार्य भी कराए हैं। यदि रेलवे विभाग हम लोगो के आशियाने छीनेगा तो सरकार हमे कहीं और रहने के लिए निवास देने का काम करे।

बस्ती के लोगो का कहना है कि उनके खाने का कोई ठिकाना नही है ऐसे मैं यदि सरकार उनसे उनके आशियाने छीनं लेगी तो वह जीते जी मर जाएगे।

'हादसों को दावत दे रहा है पटाखों का व्यापार।'

विशेष रिपोर्ट:प्रकाश शुक्ला

यह कोई पहली घटना नहीं उन्नाव जिले की पटाखा फैक्ट्रियों में इससे पहले भी कई बार धमाके हो चुके हैं उन्नाव मौरावां थाना क्षेत्र मैं पटाखा फैक्ट्री मे भीषण धमाका हुआ जिसमें एक नाबालिक बच्चे की दर्दनाक मौत व 5 नाबालिग बच्चे हुए घायल जिन्हें चिंताजनक स्थिति में मौरावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया हालत बिगड़ने की दशा में एक बालक को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। बाकी की हालत सामान्य जनक बताई जा रही है। मामला है उन्नाव जनपद के मौरावा थाना क्षेत्र के गांव प्रसाद खेडा जहा गांव के बाहर खेतो मे फखरुद्दीन नाम के व्यक्ति ने बारूद का जखीरा इकट्टा कर रखा था जिसके पास 12.500 किलोग्राम बारूद रखने का लाइसेंस है इसकी अवधि 31 मार्च 2022 तक है और गांव के अधिकांश नबालिक आशीष सुजीत लव कुश आदि बच्चो से श्रम करवा का असमय काल के गाल में घकेलने का काम किया है । किसी की मॉ की गोद उजड़ गई तो किसी का का एक ही लाल था । इस धमाके में गांव के ही रहने वाले अरुण कुमार (15) पुत्र कमरू की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

घटनास्थल पर चीख और पुकार से इलाका थर्रा उठा ।सभी

इस भ्रष्ट व्यवस्था को कोसने पर आमादा थे । जानकारों की माने तो इलाके में इतने बड़े बारूद के जखीर लगे हाने क बावजूद सुरक्षा के कोई पुख्ता इतंजाम नहीं थे । माता और पिता का रो रो कर बुरा हाल था । चारों तरफ चीख और पुकार क बीच में जनपद

के चार थाना क्षेत्र की पुलिस और फायर ब्रिगेड ने किसी प्रकार से जाकर मोर्चा संभाला ओंर पड़े हुए चीथडो को इकट्ठा करने का काम किया । लेकिन जिम्मेदारों को कौन सबक देगा । श्रम विभाग क्या कानों में तेल डाल कर बैठा है ।यह तो आने वाला समय ही बताएगा । वहीं दूसरी तरफ अगर नज़र डाले तो दीपावली नजदीक आते आते मौरावा असोहा कालूखेड़ा पुरवा के अधिकांश थोक

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

व फुटकर दुकानदार अपने अपने घरों में बारूद का भारी भरकम जखीरा इकट्ठा कर लेते हैं ।जो कभी भी बड़े हादसे को ज़न्म दे सकती है वहीं जानकार सूत्रों की मानें तो मौरावा में कई बड़े व्यापारी किराए की दुकानें लेकर उनमे बारूद से बने बम इकट्ठा कारना शुरू कर दिए है। अगर समय रहते इन पर दंडात्मक कार्यवाही नहीं हुई तो वह दिन दूर नहीं कि प्रसाद खेडा जैसी ह्दय विदारक घटनाएं कही भी घटित हो सकती हैं। जिसकी जवाबदेही शासन व प्रशासन की होगी।

'इससे पहले भी पटाखा कारखानों में धमाके की हो चुकी है घटनाएं'

जिले में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट की यह पहली घटना नहीं है इससे पहले भी तमाम घटनाएं हो चुकी हैं 20 सितंबर 2013 को सबसे भयानक घटना हसनगंज के मोहान में संचालित अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुई थी इस हादसे में फैक्ट्री संचालक के परिवार के सदस्यों समेत 8 लोगों की मौत हुई थी 16 अगस्त 2019 को आजगैन कोतवाली क्षेत्र में गांव के बाहर संचारित पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके मैं कारखाने की छोड़ गई थी इस घटना में भी एक युवक की मौत हुई थी इसी तरीके के अन्य धमाके भी हो चुके हैं।

ससुरालियों के कहर से त्रस्त विवाहिता।

भदोही। सरकार जहां महिला सशक्तिकरण की बात करती है वही आज भी ऐसे मामले देखने को मिलते है जहां लोग इस कानून की धज्जियां उडाते है। और स्थानीय प्रशासन के लोग भी है कि इस तरह के मामले को जैसे जानने के बाद भी मौन साधे रहते है।

भदोही जिले में एक ऐसा ही मामला चर्चा में है जहां एक विवाहिता अपने ससुरालियों के कहर से त्रस्त से परेशान होकर दर दर की ठोकर खाने पर विवश है। मामला ज्ञानपुर कोतवाली के बलभद्रपुर गांव का है। जहां के निवासी सतीश तिवारी की बहन रत्ना की शादी डेढ वर्ष पहले औराई थाना के अदनपुर (तिउरी)गांव के रमेश मिश्रा के पुत्र राजेन्द्र मिश्र के साथ हुई थी। विवाहिता रत्ना मिश्रा को ससुराल के लोग दहेज के लिए परेशान करते थे और मारते पीटते थे। और दहेज की और रकम लाने के लिए दबाव बनाते थे तथा चरित्र पर भी शक करते थे। और अनायास ही विभिन्न बातों पर लेकर प्रताडित करते थे।

विवाहिता ने 7 सितम्बर को महिला थाना में दिये शिकायत में आरोप लगाया है कि भाई का फोन आने पर बात कर रही थी और इसी को लेकर पति और ससुराल के लोग मारपीट किये और घर से मार कर निकाल दिये।

विवाहिता ने बताया कि सास गायत्री देवी और जेठानी सरिता देवी के सह पर लोग मारपीट किये लेकिन वे लोग नही बोली। मारपीट के बाद विवाहिता भाग कर आसपास के लोग के यहां सहयोग मांगने गई लेकिन किसी ने दया न दिखाई। और ससुराल के लोग पकड कर फिर घर ले आये और मारे पीटे।

और भाई से फोन पर कह दिये कि तेरी बहन भाग गई।

अगले दिन सुबह मेरे मायके से चचेरा भाई आया और ले गया। फिर ज्ञानपुर में स्थित महिला थाना में शिकायत दर्ज कराई। लेकिन अभी तक ससुराल वालों के ऊपर कोई कार्यवाही न हुई।

व्यवसायी ने संविलयित विद्यालय यादवपुर को भेंट किया अल्ट्रा एचडी स्मार्ट टीवी

बहराइच। विकास खण्ड तेजवापुर स्थित संविलयित विद्यालय यादवपुर परिषदीय विद्यालयों में अपनी एक अलग पहचान रखता है। यही वजह है सरकारी संसाधनों के अलावा विद्यालय स्टाफ विशेषकर राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय के प्रयासों के परिणाम स्वरूप जिले के दानवीरों के साथ–साथ जिले के अधिकारी भी दिल खोलकर विद्यालय की मदद करने को तैयार तैयार रहते हैं।

विद्यालय में आयोजित ड्रेस वितरण के अवसर पर जहॉ एक ओर हिन्दुस्तान एम्पलायन्स के प्रोपराइटर मेराज ने विद्यालय के बच्चों के लिए सैनसुई कम्पनी का 43 इंच स्क्रीन का अल्ट्रा एच.डी. स्मार्ट टेलीविज़न भेंट किया वहीं दूसरी ओर संगीत पैलेस के प्रोपराइटर अभिषेक गोयल ने डी.टी.एच. तथा अध्यापक परीक्षा परिषद के प्रोपराइटर मो. शमीम खान ने 02 अदद ग्रीन बोर्ड विद्यालय को भेंट किया। इसके अलावा वरिष्इ नागरिक एफ.सी.आई. के सेवानिवृत्त अधिकारी कृष्ण शरण शुक्ला ने बच्चों के लिए स्टेशनरी बैंक भेंट किया। श्री शुक्ला की बात की जाय तो इस वरिष्ठ नागरिक का विद्यालय

के साथ काफी लम्बा जुड़ाव है। वह अक्सर विद्यालय में आते हैं और बच्चों को आशीर्वाद स्वरूप स्टेशनरी इत्यादि का वितरण करते रहते हैं।

गत दिवस विद्यालय परिसर में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में दानवीरों की ओर से विद्यालय स्टाफ को सामग्री भेंट की गयी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री यादव ने सभी दानवीरों का आभार ज्ञापित करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी बृज लाल वर्मा के नेतृत्व में दानवीरों को प्रेरित करने के लिए विद्यालय स्टाफ की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रसंगों से निश्चित रूप से दूसरे विद्यालय के स्टाफ भी प्रेरित होंगे।

उल्लेखनीय है कि विद्यालय को सहयोग करने वाले दानवीरों की बात की जाय तो इससे पूर्व मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. बलवन्त सिंह द्वारा स्मार्ट क्लास के लिए प्रोजेक्टर, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अलाउद्दीन द्वारा टुल्लू पम्प, पूर्व पूर्व में कार्यरत सहायक शिक्षिका श्रीमती स्वाती सिंह द्वारा 25 राइटिंग टेबल व 01 अदद टेलीविज़न, खण्ड शिक्षा अधिकारी बृज लाल वर्मा द्वारा विद्यालय को 2250 वी.ए. क्षमता का एक अदद सोलर इन्वर्टर और 165 ए.एच. क्षमता की 02 अदद ट्यूबलर बैटरी तथा ए.आर.पी. डॉ. नन्द कुमार शुक्ला द्वारा विज्ञान किट उपलब्ध करायी गयी है।

सार–समाचार

'सर्प दंश से युवक की मौत'

कानपुर(घाटमपुर) सजेती थाना क्षेत्र के सांखाहारी गांव मे रामसुंदर पटेल पुत्र स्वः दरबारी लाल उम्र 35 की सांप के काटने से मृत्यु हो गयी गांव वालों ने बताया की मृतक रात्रि मे घर से अपने खेत जा रहा था तभी रास्ते मे सांप ने काट लिया घर वाले आनन फानन उसे धमना गांव लेकर गये झाड फूंक कराने । सुबह करीब 4 बजे उसे दर्द हुआ घर वाले जब तक अस्पताल ले जाते उसकी मृत्यु हो गई।पुलिस ने पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के एक लडका उम्र 5 साल का व एक लडकी 3 साल की है पूरे गांव मे शोक व्याप्त है।

पुलिस ने दिखाई फुर्ति मोबाइल चोर गिरफ्तार

कानपुर(घाटमपुर) रविवार को साढ़ क्षेत्र में हुई चार लूट की घटनाओं में साढ़ थाना पुलिस ने फुर्ती दिखाते हुए दो मोबाइल लूट करने वाले आरोपियों को छापामार कर धर दबोचा।जिसमे बीते दिन बहादुरगढ़ निवासी आशीष 17 पुत्र राजेन्द्र पाल के साथ घर लौटते समय नन्ही दुनिया के पास चाकू लगाकर मोबाइल लूट लिया था।थाने पहुंचे पीड़ित ने अमौर निवासी अजीत व रोहित को पहचाना था।लेकिन प्रभावशाली लोगों के दबाव में आकर थाना पुलिस ने आपस मे सुलह समझौता कराते हुए पीड़ित को एक सप्ताह में मोबाइल वापस दिलाने की बात कही है।वही बीते दिन देवरा निवासी आशीष के साथ भी अमौर निवासी मौसी के यहाँ जाते समय महनीपुर मोड़ के थोड़ा आगे मोबाइल लूट की घटना हुई थी।आज उसने भी पकड़े गए आरोपियों की शिनाख्त करते हुए कार्यवाही की मांग की लेकिन साढ़ पुलिस ने उसका मोबाइल सर्विलांस में लगा होने की बात कह चलता किया।तीसरी घटना कुड़नी कस्बा निवासी दीपक साहू के साथ शनिवार रात हुई थी जिसमे अज्ञात दो लोगो ने उससे मोबाइल व दो हजार रुपये छीन लिए थे।व बढ़ापुर निवासी शेषनारायण शर्मा के साथ भी रातेपुर गढ़ी के पास मारपीट कर मोबाइल व रुपये लूटने की घटना हुई थी जिस पर थाना पुलिस ने अब तक कोई भी कार्यवाही नही की है।

चौथी घटना भीतरगांव रोड़ स्थित आदर्श तालाब के पास सुबह लगभग नौ बजे हुई थी जिसमे लाल रंग की अपाचे सवार युवकों ने शैलेश यादव पुत्र लक्ष्मण यादव के साथ मारपीट कर पन्द्रह हजार रुपये व मोबाइल छीन लिया था।जिसपर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा लिख कर्यवाही कर रही है।

साढ़ इंचार्ज ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों व पीड़ित पक्ष में आपस मे सुलह हो गया है पीड़ित पक्ष कोई कार्यवाही नही चाहता।जबकि आदर्श तालाब के पास हुई घटना पर सुसंगत धाराओ में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।जल्द ही आरोपी गिरफ्त में होंगे।

जिलाधिकारी द्वारा प्रतिदिन प्राइवेट कोविड फैसिलिटी तथा सरकारी कोविड फैसिलिटी का निरीक्षण

जिलाधिकारी कानपुर नगर द्वारा प्रतिदिन प्राइवेट कोविड फैसिलिटी तथा सरकारी कोविड फैसिलिटी का निरीक्षण किया जा रहा है। इस क्रम में जिलाधिकारी द्वारा आज मा0कांशीराम हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लिया । निरीक्षण के दौरान सीएमएस ने जिलाधिकारी को बताया कि समस्त डाक्टर अपने रोस्टर के अनुसार ड्यूटी कर रहे है। जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से समस्त अस्पताल का जायजा लिया । जिलाधिकारी द्वारा वीडियो कॉलिंग के माध्यम से आईसीयू में उपस्थित डॉक्टर से बात की और उनके द्वारा किए जा रहे इलाज के विषय में जानकारी की। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त मरीजों का इलाज गुणवत्तापूर्ण हो यह सुनिश्चित किया जाए । सीएमएस कांशीराम ने जिलाधिकारी को बताया कि कि समस्त मरीजों की निगरानी उनके द्वारा स्वयं की जा रही है तथा आईसीयू में भर्ती समस्त मरीजों की मॉनिटरिंग भी वह स्वयं कर रहे है । जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त उपकरण बेहतर कार्य करे , इसके लिए उनकी निरन्तर निगरानी रखी जाए तथा ऑक्सीजन की कमी न हो इसके लिए व्यवस्थाएं पहले से ही पूर्ण कर ली जाए ,इस पर सीएमएस ने उन्हें बताया कि ऑक्सीजन की।कमी न रहे इसके लिए उनके द्वारा आवश्यक कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी कानपुर नगर, सीएमएस कांशीराम उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त डा0 सुधीर एम0 बोबडे की अध्यक्षता में तहसील सदर के अन्तर्गत बाल भवन सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कोविड–19 के नियमों का अनुपालन करते हुए किया गया।

बिहार और नेपाल के सीमावर्ती जिलों में बारिश के आसार

लखनऊ (एजेंसी)। मौसम विभाग ने बिहार और नेपाल की सीमा से लगे यूपी के कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा रुहेलखंड के भी कई जिलों में बारिश की संभावना दिखाई दे रही है। मौसम विभाग ने बताया कि जिन जिलों में बारिश की संभावना है। उनमें बदायूं, बरेली, पीलीभीत, गोंडा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, महाराजगंज और कुशीनगर शामिल है। इन जिलों के अलावा बुंदेलखंड में छिटपुट बारिश के आसार हैं। प्रदेश के बाकी सभी जिलों में बारिश की संभावना फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है। मौसम विभाग के अभी तक के अनुमान के मुताबिक अगले चार–पांच दिनों तक मौसम की यही स्थिति बनी रहेगी।

दरअसल, प्रदेश में ज्यादा बारिश की कोई संभावना फिलहाल नहीं दिखाई दे रही है। सोमवार को कुल 7 जिलों में मौसम विभाग ने बारिश दर्ज की लेकिन उसकी मात्रा बहुत कम रही। गोरखपुर और उरई में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई। दोनों ही जगहों पर 10 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा नजीबाबाद और मुजफ्फरनगर में 3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

नाजायज संबंधों में बाधारूप युवक की हत्या मृतक की पत्नी और भतीजी के प्रेमी भी शामिल

आणंद जिले के धुवारण निवासी एक युवक की उसकी पत्नी और भतीजी ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर हत्या कर दी और शव को मोटी शेरडी गांव–ध ानावशी गांव के बीच सड़क पर फैंक दिया। गत सप्ताह हुई युवक की हत्या की जांच कर रही पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है जानकारी के मुताबिक आणंद जिले के धुवारण में रहनेवाले गुलाबसिंह चंदूभाई गोहिल नामक युवक की गत मंगलवार को गला घोंटकर हत्या की हुई लाश मोटी शेरडी–धनावशी रोड पर मिली थीं।

पुलिस जांच में पता चला कि मृतक गुलाबसिंह की पत्नी दक्षा और भतीजी के अन्य युवकों के साथ नाजायज संबंध थें।

इस खुलासे के बाद पुलिस ने मृतक की पत्नी दक्षा के प्रेमी कंकापुर निवासी अर्जुन उर्फ अजीत प्रभातसिंह परमार और मृतक की भतीजी के प्रेमी घनश्याम भाईलाल परमार को हिरासत में लेकर पूछताछ कीं।

जिसमें दोनों ने कबूल किया कि अपने साथियों के साथ मिलकर गुलाबसिंह की साजिश के तहत हत्या की थी।

पकड़े गए आरोपितों ने बताया कि गत मंगलवार को दक्षा अपने पति गुलाबसिंह को लेकर बदलपुर गांव आई थी।

जहां से गुलाबसिंह को ऑटो रिक्शा में बिठाकर अर्जुन समेत घनश्याम अपने मौसेरे भाई कुलद. ीपसिंह और उसके दोस्त धर्मेन्द्रसिंह अमरसिंह सिंधा, लालजी अरविंद के साथ घूमते घूमते छीणपुरा गांव की सीमा पर गएं।

जहां रस्सी से गला घोंटकर गुलाबसिंह की हत्या कर दी और शव को गंभीरा नदी में फैकने की योजना बनाईं।

गुलाब के शव को ऑटो रिक्शा में डालकर गंभीरा नदी की ओर जा रहे थेद्य उस वक्त पकड़े जाने के डर से मोटी शेरडी–धनावशी गांव पर तालाब के निकट गुलाब का शव फैंक दियां।इस खुलासे के बाद पुलिस ने अर्जुन उर्फ अजीत प्रभातसिंह परमार, घनश्याम भाईलाल परमार, कुलदीपसिंह उर्फ कुदो दिलीपसिंह परमार, लालजी अरविंद परमार और मृतक की पत्नी दक्षा गुलासिंह परमार को गिरफ्तार कर लिया हैं।हत्या के अन्य दो आरोपी धर्मेन्द्रसिंह अमरसिंह सिंधा, खोडु प्रभातसिंह परमार को गिरफ्तार करने की कवायद तेज कर दी हैं।

एनआईए ने गोधरा से पकड़ा पाकिस्तानी जासूस, नौसेना की जानकारी भेजता था

पंचमहल नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजंसी (एनआईए) ने गोधरा से एक पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया हैं। सोमवार देर रात गिरफ्तार 37 वर्षीय इमरान याकूब गितेली पंचमहल जिले के गोधरा का मूल निवासी है और वह पाकिस्तानी खुफिया एजंसी आईएसआई के लिए जासूसी करता थां। एनआईए को इसकी सूचना मिलते ही उसने गोधरा वह गोधरा पहुंच गई और स्थानीय पुलिस की मदद से इमरान को गिरफ्तार कर लिया।

गोधरा में ऑटो रिक्शा चलाने वाले इमरान के रिश्तेदार पाकिस्तान में रहते हैं।

एनआईए के मुताबिक यह मामला एक अंतर्राष्ट्रीय जासूसी रैकेट का है, जिसमें पाकिस्तान से भारत में एजन्टों की भर्ती की जाती हैं। ऐसे एजन्टों का काम भारतीय नौसेना की संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान भेजने की होती है

गुजरात के एक और मंत्री को हुआ कोरोना सौराष्ट्र यात्रा में पाटील के साथ थे

अहमदाबाद गुजरात में कोरोना कहर बढ़ता जा रहा हैं। जिससे आम लोग ही नहीं राज्य सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक और नगर पार्षद भी अछूते नहीं हैं। गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के सौराष्ट यात्रा के दौरान उनके साथ रहे पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। भाजपा प्रमुख सीआर पाटील की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद गांधीनगर के एपोलो अस्पताल में उनका उपचार चल रहा हैं। अब गुजरात सरकार के कैबिनेट मंत्री जयेश रादडिया की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैं। जयेश रादडिया ने ट्वीट कर यह जानकारी दी हैं। ट्वीट में रादडिया ने कहा कि मुझे कोविड 19 के सामान्य लक्षण दिखने पर मैंने स्वैच्छा से कोरोना टेस्ट कराया हैं। मेरी कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद मैं होम कोरन्टाइन हूं और फिलहाल मेरी तबियत अच्छी हैं। पिछले एक सप्ताह से मेरे संपर्क में आए सभी लोग स्वैच्छा से अपना टेस्ट कराएं। रादडिया के पीए विपुल बालघा की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

इसके अलावा जामनगर के विधायक राघवजी पटेल को भी कोरोना हो गया हैं। राघवजी पटेल को जामनगर के अस्पताल में उपचार के लिए दाखिल किया गया हैं। दूसरी ओर राज्यसभा सांसद अभय भारद्वाज की तबियत नाजुक बताई जा रही है। 31 अगस्त को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद से भारद्वाज को राजकोट के सिविल अस्पताल में उपचाराधीन हैं। बीती रात ऑक्सीजन लेवल डाउन होने पर भारद्वाज को वेन्टीलेटर पर रखा गया हैं।

पुरानी रंजिश में पड़ौसी का दंपत्ति पर हमला, पत्नी की मौत

अहमदाबाद शहर के असारवा क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर पड़ौसी शख्स ने दंपत्ति पर चाकू से हमला कर दियां। हमले में घायल दंपत्ति को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान पत्नी की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के असारवा क्षेत्र की गणपत सोसायटी निवासी महिला की पड़ौस में रहनेवाले शख्स से मामूली कहा सुनी हुई थी। जिसमें शख्स इतना भड़क गया कि उसने महिला समेत उसके पति पर तीक्ष्ण हथियार से जानलेवा हमला कर दियां। हमले में पति और पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर हालत में दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। खबर मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची ने मामले की जांच शुरू की है।

मृतक महिला की सास ने बताया कि पुरानी रंजिश में पड़ौसी शख्स ने उसके बेटे और बहु पर हमला किया। पहले मेरे बेटे पर चाकू से हमला किया और बाद में बहु पर।

आंगडियाकर्मी की हत्या–लूट केस के मुख्य सूत्रधार समेत चार आरोपी गिरफ्तार

साबरकांठा गत जनवरी महीने में जिले के खेडब्रह्मा में एक आंगडियाकर्मी की हत्या कर उसकी बैग लूटकर फरार आरोपियों को साबरकांठा एलसीबी ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक आठ महीने पहले साबरकांठा जिले के खेड. ब्रह्मा शहर में एम माधव आंगडिया फर्म का प्रकाश नायक नामक कर्मचारी बैंक से नकद रुपए निकाल जा रहा था।

उस वक्त लुटेरों ने कर्मचारी को घेर लिया और उसके हाथ रुपयों से भरा बैग छीनने के प्रयास किया। बैग छीनने में सफलता नहीं मिलती देख एक लुटेरे ने प्रकाश पर चाकू से हमला कियां।

इसके बावजूद प्रकाश ने जब बैग नहीं छोड़ी तब गोली मारकर उसकी हत्या कर दी और बैग लेकर लुटेरे फरार हो गए। मामले की जांच कर रही साबरकांठा एलसीबी को आठ महीने बाद आखिरकार सफलता मिली और उसने हत्या और लूट की घटना को अंजाम देने वाले मुख्य सूत्रधार समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लियां।दरअसल वडोदरा एसओजी ने हत्या के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया था। वडोदरा में पकड़े गए आरोपी को साबरकांठा एलसीबी ने अपनी कस्टडी में लेकर उससे पूछताछ कीद्य उससे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने अन्य तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। एलसीबी की जांच में पकड़े गए आरोपी डीसी, कडी और पाटडी के आंगडिया समेत ज्वैलर्स में हुई लूट के मामलों में वांटेड हैं।

भाजपा ने गंवाई गांधीनगर तहसील पंचायत, कांग्रेस सत्ता पर काबिज

अहमदाबाद गांधीनगर तहसील पंचायत में पहले ढाई साल शासन करने वाली भाजपा की दूसरी टर्म में हार हुई है। तहसील पंचायत के दूसरी टर्म के प्रमुख और उप प्रमुख के चुनाव में कांग्रेस ने बाजी मार ली है। कांग्रेस के प्रमुख और उप प्रमुख पद के उम्मीदवारों 16 सदस्यों के समर्थन से चुनाव जीत लिया। तहसील विकास अधिकारी जीए धांधलिया के मुताबिक प्रमुख पद के कांग्रेस उम्मीदवार गोपालजी ठा. कोर और उप प्रमुख पद के प्रत्याशी सुरेश पटेल के पक्ष में निर्दलीय समेत 16–16 वोट पड़े। जबकि भाजपा उम्मीदवारों को 11–11 वोट मिले। गांधीनगर तहसील पंचायत के नव निर्वाचित प्रमुख और उप प्रमुख ढाई वर्ष की अवधि के लिए चुने गए हैं। भाजपा ने प्रमुख पद का प्रत्याशी दीपक पटेल और उप प्रमुख पद के लिए जगदीश पटेल को उम्मीदवार बनाया था। 36 सदस्यों वाली गांधीनगर तहसील पंचायत के 9 सदस्यों को टर्मिनेट किए जाने से फिलहाल सदस्य संख्या 27 रह गई है। गांधीनगर तहसील पंचायत में भाजपा के कार्यकर्ताओं में आपसी मतभेद का फायदा कांग्रेस को हुआ है।

सुरत रेलवे स्टेशन पर स्पेशल श्रमिक ट्रेन में आये मजदूरों का सुरत मनपा कमिशनर ने मास्क और सैनिटाइजर दे कर किया स्वागत

भारत सरकार के सिडबी और गुजरात के उद्योग विभाग के बीच हुआ अहम एमओयू

अहमदाबाद गुजरात के 35 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को आत्मनिर्भरता, कैपेसिटी बिल्डिंग और मार्केट सपोर्ट सहित अन्य क्षेत्रों में अब केंद्र सरकार के भ. ारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) का सक्रिय सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की प्रेरक उपस्थिति में मंगलवार को गांधीनगर में इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) गुजरात सरकार के उद्योग एवं खान विभाग तथा सिडबी के बीच हुआ। मुख्यमंत्री सह उद्योग एवं खान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री एम.के. दास तथा सिडबी के उप प्रबंध निदेशक श्री वसंत सत्य वेंकट राव ने इस एमओयू पर विजय रूपाणी के समक्ष हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने हाल में जो नई उद्योग नीति–2020 जारी की है उसमें एमएसएमई सेक्टर के लिए विभिन्न प्रोत्साहन व सहायता योजनाओं की घोषण ाा की गई है।

रूपाणी राज्य के व्यापार–उद्योग की रीढ़ समान एमएसएमई क्षेत्र को लगातार बढ़ावा देकर राज्य के सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यमों को आर्थिक नजरिये से मजबूती देने को प्रतिबद्ध हैं।

इतना ही नहीं, ऐसे एमएसएमई उद्योगों को कैपिटल सब्सिडी, ब्याज सहायता सब्सिडी, पे. टेंट सहायता और टेक्नोलॉजी एक्विजेशन जैसे प्रोत्साहनों के जरिए वैश्विक बाजार की प्रतिस्पध ार्ा में टिकने के लिए सक्षम बनाना भी मुख्यमंत्री का ध्येय रहा है। इस संदर्भ में सिडबी के साथ हुए एमओयू से राज्य की एमएसएमई इकाइयों के लिए ट्रेनिंग और कैपेसिटी बिल्डिंग के कार्यक्रमों द्वारा तकनीक हस्तांतरण और नवाचार को गति मिलेगी। सिडबी द्वारा राज्य के एमएसएमई क्लस्टर्स के लिए ढांचागत परियोजनाओं और कॉमन फैसेलिटी सेंटर की संभावनाएं तलाशने के साथ उसका मूल्यांकन भी किया जाएगा। भारत सरकार की सिडबी बैंक राज्य के छोटे उद्योगों को मौजूदा कोविड–19 की स्थिति से सक्षमता के साथ उबारने के लिए मददगार साबित होगी।

यही नहीं, राज्य में एमएसएमई क्षेत्र की योजनाओं, परियोजनाओं तथा नई पहल के मुद्दों के वर्तमान ढांचे का अभ्यास कर उसकी व्यापकता एवं प्रभावकता बढ़ाने के सुझाव भी सिडबी राज्य सरकार को देगी।

एमएसएमई इकाइयों को विश्व धारा के साथ कदम मिलाने को तैयार करने के लिए डि. जिटल प्लेटफार्म मुहैया कराने में हैंड–होल्डिंग में भी सिडबी सहायक बनेगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि राज्य में अधि ाकतम रोजगार प्रदान करने वाली एमएसएमई इकाइयों को कोरोना की स्थिति के बाद पटरी पर लाने में यह एमओयू बहुत फलदायी साबित होगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने कोविड–19 की स्थिति में एमएसएमई क्षेत्र की मदद के लिए आत्मनिर्भर पैकेज की घोषणा कर एमएसएमई इकाइयों को 768 करोड़ रुपए की विभिन्न सहायता प्रदान कर पटरी पर लाने का संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया है। ऐसी एमएसएमई इकाइयों को वित्तीय मुश्किलों से निजात दिलाने भारत सरकार के आत्म. निर्भर पैकेज के तहत आपातक. ालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) में अब तक राज्य की 2,11,532 एमएसएमई इकाइयों को 10,56,268 लाख रुपए का ऋण मंजूर किया गया है।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भी इस योजना के अंतर्गत 50 हजार रुपए तक के ऋण पकर बैंकों द्व ारा ली जाने वाली स्टाम्प ड्यूटी को माफ करने का उदार अभिगम दर्शाया है।

एमएसएमई क्षेत्र के सर्वग्राही विकास से राज्य के छोटे एवं मध्यम उद्योगों को विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में सिडबी के साथ हुआ एमओयू तथा मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी की ओर से एमएसएमई क्षेत्रों को दिया गया प्रोत्साहन नई चेतना देने वाला साबित होगा।

गुजरात में अगले 5 दिन हलके से सामान्य बारिश का अनुमान

अहमदाबाद गुजरात मं आगामी पांच दिनों के दौरान हलके से सामान्य बारिश का मौसम विभाग का अनुमान है। राज्य में अब तक मौसम की 126.50 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। राज्य के राहत आयुक्त और अतिरिक्त सचिव हर्षद पटेल की अध्यक्षता में आज वेधर वॉच ग्रुप का वेबिनार हुआ। वेबिनार के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए हर्षद पटेल ने बताया कि आज सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक राज्य की 5 तहसीलों में 1 मिमी से 6 मिमी तक बारिश हुई। जिसमें सबसे अधिक देवभूमि द्वारका तहसील में 6 मिमी बारिश हुई।

राज्य में अब तक मौसम की 1051.22 मिमी बारिश हो चुकी हैद्य जो पिछले 30 साल की राज्य की औसत 831 मिमी की तुलना में 126.50 प्रतिशतहै।

उन्होंने बताया कि राज्य में अगले तीन दिन भारी बारिश की कोई संभावना नहीं है।

उसके बाद राज्य में कई जगह हलके से सामान्य और एक–दो क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है। यानी अगले पांच दिनों के दौरान राज्य में हलके से सामान्य बारिश होने का अनुमान है। हर्षद पटेल ने बताया कि गुजरात की जीवनदायिनी सरदार सरोवर नर्मदा जलाशय में 326127 एमसीएफटी पानी का संग्रह हुआ है। जो कुल संग्रह शक्ति का 97.62 प्रतिशत है। राज्य के 205 जलाशयों में 90.51 प्रतिशत पानी जमा हुआ है। फिलहाल राज्य में 168 डैम हाई अलर्ट पर, 10 बांध अलर्ट पर और 9 जलाशय वॉर्निंग पर हैं।

दुर्लभ पटेल आत्महत्या के लिये मजबूर करने वाले दो आरोपियों को भरूच से सुरत आते ही पकड़ा

राज्य में 1349 कोरोना के नए केस, 1444 हुए ठीक, 17 मरीजों की मौत

अहमदाबाद गुजरात में कोरोना की रफ्तार होने के बजाए लगातार बढ़ती जा रही हैं। पिछले 15 दिनों से राज्य में 1300 से ज्यादा कोरोना के केस दर्ज हो रहे हैं। मंगलवार को 1349 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं और 1444 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया हैं। जबकि अहमदाबाद समेत राज्य में 17 मरीजों की मौत हो गई।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 173, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 152, सूरत में 104, जामनगर कॉर्पोरेशन में 102,

राजकोट कॉर्पोरेशन में 94, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 89, मेहसाणा में 49, राजकोट में 47, पाटन में 45, वडोदरा में 40, अमरेली में 30, पंचमहल में 29, मोरबी में 28, भावनगर कॉर्पोरेशन में 25, गांधीनगर में 25, बनासकांठा में 24, जामनगर में 21, अहमदाबाद में 20, कच्छ में 19, महीसागर में 19,

गांधीनगर में 18, जूनागढ़ में 18, सुरेन्द्रनगर में 18, दाहोद में 17, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 17, भरुच में 16, गिर सोमनाथ में 14, भावनगर में 13, बोटाद में 12, खेडा में 10, साबरकांठा में 10, नर्मदा में 9, नवसारी में 9, वलसाड में 7, आणंद में 6, पोरबंदर में 5, छोटाउदेपुर में 4, देवभूमि

द्वारका में 4, तापी में 4, डांग में 2 और अरवल्ली में 1 समेत राज्यभर में कुल 1349 कोरोना के नए केस दर्ज हुए। जबकि 1444 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गयां।

इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 4, सूरत में 4, जामनगर कॉर्पोरेशन में 2, गांधीनगर, जामनगर, महीसागर, राजकोट कॉर्पोरेशन, सूरत कॉर्पोरेशन, वडोदरा और वडोदार कॉर्पोरेशन में 1–1 समेत कुल 17 मरीजों की कोरोना से मौत हो गईद्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज 78182 समेत राज्यभर में अब तक कुल 3438500 लोगों का टेस्ट किया गया और इसमें 116345 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुएद्य जिसमें से 96709 लोग स्वस्थ हो गए हैं और 3247 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। राज्य फिलहाल कुल 16389 एक्टिवस केस हैं, जिसमें 16293 स्टेबल हैं और 96 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 743429 लोगों को कोरन्टाइन किया गया हैं। जिसमें 742928 को होम कोरन्टाइन और 501 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया हैं।

डॉक्टर समेत स्वास्थ्यकर्मियों की कोरन्टाइन अवधि ऑन ड्यूटी मानी जाएगी

अहमदाबाद गुजरात सरकार ने अपनी जान पर खेलकर लगातार कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार में लगे डॉक्टर समेत स्वास्थ्यकर्मियों को लेकर महत्वपूर्ण फैसला किया हैं।

फैसले के मुताबिक यदि सेवा के दौरान डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मियों को कोरन्टाइन किया जाता है तो उस अवधि को छुट्टी नहीं बल्कि ऑन ड्यूटी माना जाएगाद्य राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग इस बारे में एक अधिसूचना भी जारी कर दी हैं।

बता दें कि राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है और डॉक्टर समेत स्वास्थ्यकर्मी मरीजों के उप. चार में दिन रात एक कर रहे हैं।लगातार कोरोना मरीजों के उपचार में जुटे कई डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी इस रोग की चपेट में आ रहे हैं।

ऐसे में उनकी कोरन्टाइन अवधि को लेकर सरकार ने स्पष्ट किया है कि कोरन्टाइन अवधि भी ऑन ड्यूटी मानी जाएगीं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)